मसीहत बनाम मूर्तिपूजा

यह आपका है। माँ के लिए यह छोटी सी चीज। इसे दे... ? ... और आप उन्हें ठीक कर ले और फिर इस छोटे को... ? ...

धन्यवाद, भाई नेविल, प्रभु आपको आशीष दे।

सुप्रभात, मित्रों। आज सुबह फिर से आराधनालय में वापस आना सौभाग्य की बात है, ताजा और अच्छा महसूस कर रहा हूं। परसो के दिन मैं यहाँ तक बोल भी नहीं पा रहा था। मुझे एक छोटा सा संक्रामक रोग हुआ था जो वहां फ़ैल रहा था, आप जानते हैं, उनके गले में चला जाता है और उन्हें कर्कश बना देता है, लेकिन प्रभु ने मेरी सहायता की और मुझे उस स्थिति से छुटकारा दिया जिससे कि मैं आज सुबह आपसे बात कर सकूं।

2 और हम खुश हैं कि एक अच्छा आराधनालय खचाखच भरा हुआ है और लोग खड़े हुए हैं। मैं बस चाहता हूं कि हमारे पास कुछ सीटें होती, और उन लोगों को दे पाते जो खड़े हुए हैं। यदि वे हमारे पास होती तो हमें खुशी होती, लेकिन मैं सोचता हूं कि सब कुछ ले लिया गया है। मैं जानता हूं कि आप आकर और इन बच्चों के साथ वेदी पर नहीं बैठना चाहेंगे और इस तरह से अपनी पीठ को घुमाये।

3 अब, यह कुछ दिनों से है कि मैं इतिहास पर अध्ययन कर रहा था, और मैंने सोचा कि हो सकता है आज सुबह प्रचार करने के बजाय मैं कुछ समय के लिए परमेश्वर के वचन पर शिक्षा दे सकूं। और अब हमें शायद थोड़ी देर हो जाएगी, इसलिए मैं... आप में से कुछ उन लोगों के साथ सीट को अदला–बदली करेंगे जो खड़े हुए हैं, या कुछ तो, यह निश्चित रूप से अच्छा रहेगा यदि आप कर सके—यदि आप इसे कर सके और उन्हें थोड़ा आराम दे।

4 और अब बहुत से मित्र, मेरे मित्र आये, उनमें से बहुत दूर से है, वहां बहुत दूर से जॉर्जिया में, ओहियो, टेनेसी में, बस अलग–अलग स्थानों से, इलिनॉय, मिसौरी, मिशिगन, वे वहां शिकागो से आए है, इस तरह से बस एक छोटी सी आराधनालय की सभा के लिए। यह मुझे ऐसे लोगों के प्रति बहुत ही आभारी बना देता है। और केवल इतना ही नहीं, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा, ना ही उसके रूचि में... लेकिन परमेश्वर के वचन की रूचि

में: उन लोगों में से हर एक जन बहुत ही करीब जो केवल आते ही नहीं लेकिन वे अपने दशमांश को अपने साथ लाते हैं ताकि इसे सहायता के लिए कलीसिया में डाले।

5 अब, यह तो केवल मित्र है जो कि निष्ठावान है। आप बस ऐसे लोगों को नहीं भूल सकते।

6 और फिर कभी–कभी हो सकता है मुझे कुछ ऐसा कहना होगा जो उनके टुकड़े–टुकड़े कर दे, लेकिन आप देखते हैं कि तब इसका क्या मायने रखता है। आपके हृदय में आप इसे नहीं करना चाहते हैं, लेकिन फिर भी कुछ है जो कहता है, "तुम... करना ही है," देखो, इसलिए आपको इसे करना ही होता है।

7 और उन्हें हर कहीं से आते हुए देखते है और—और प्रभु की सेवा करने का यत्न करते है, और उस सेवकाई में विश्वास करते हुए जो प्रभु ने मुझे दी है और मुझ पर उसका सेवक होने का भरोसा करते है कि मैं उन्हें कुछ भी गलत नहीं बताऊंगा, तब पूरी सच्चाई के साथ मुझे वास्तव में वह सब करना ही है जो मैं जानता हूं कि—कि कैसे उन लोगों के प्राणों की देखरेख करूं; यह जानते हुए कि वे यहां केवल दिखाने के लिए नहीं आ रहे हैं, कार चलाकर बर्फीले पहाड़ों और पहाड़ियों को पार करके, और वहां खचाखच भरी सड़कों में से होते हुए, और उनके बच्चों को ठीक से खाना और नींद नहीं मिलती है, और उनका सूटकेस कार के पीछे रखा हुआ होता है। और, आप जानते हैं, यह कठिन है।

8 लेकिन बाईबल ने ऐसे लोगों के बारे में कहा, इब्रानियों की किताब के 11वें अध्याय में, "यहां तक कि संसार उन लोगों के योग्य नहीं है।" मैं—मैं यह इसलिए कहता हूं क्योंकि यह मेरे हृदय में मायने रखता है।

9 और बहुत से लोग यहां न्यू अल्बानी और लुइसविले से हैं, और आसपास केंटकी से, और विभिन्न स्थान से जो ज्यादा दूर नहीं है, लेकिन फिर भी वे आने के लिए ईमानदार हैं, बर्फ, हिम, किसी भी चीज में से होते हुए आते है, ताकि यहां पहुंच जाए।

10 अब, अगला रविवार क्रिसमस की पूर्व संध्या है। और मैंने सोचा कि मैं... मेरे पास कलीसिया के लिए एक क्रिसमस का संदेश था, लेकिन मेरे—मेरे मन में उन छोटे बच्चों के प्रति ऐसी भावना थी, मुझे अवश्य ही कहना है यदि वे... यदि मैं यहां पर आता हूं, तो शायद छोटे–छोटे बच्चे, उनमें से

बहुत से दूर–दूर रहते है, वे उनके क्रिसमस और इत्यादि से चूक जायेंगे। तो यह उन छोटे बच्चों के लिए एक प्रकार से कठिन होगा। लेकिन जाने से पहले... अब, हम...

11 मैं जानता हूं कि हम लोग यहां अपने बच्चों को सांता क्लॉस जैसे काल्पनिक बातों के बारे में नहीं सिखाते हैं। हम किसी को भी झूठ बोलने में विश्वास नहीं करते हैं, इसलिए आप अपने बच्चों से झूठ नहीं बोलेंगे। इस प्रकार की बातो से, यह काल्पनिक कथाएं है जो उसके शिखर पर है, इस प्रकार की चीज जो क्रिसमस पर मसीह के स्थान को ले रही है।

12 और क्रिसमस ने खो दिया... क्रिसमस अब आराधना करना नहीं रह गया है; यह एक उत्सव हो गया है, शराब पीना, जुआ खेलना, शराब की दावत देना, बस पागान या मूर्तिपूजा की हद तक चला गया है। और ऐसा नहीं है... और मैं चाहता था... हो सकता है क्रिसमस के बाद मैं फिर से *क्रिसमस* पर बोलूंगा, आप देखना, जिससे कि यह छोटे बच्चे वंचित रह जाए... लेकिन आप इस तरह से छोटे बच्चों को यह नहीं बता सकते। वे क्रिसमस की रात को छोटे बच्चो को क्रिसमस के उपहार और इस तरह की चीजों को लेते हुए देखते हैं, वे इसे नहीं समझते हैं। देखा? वे बस... वे बहुत ही छोटे हैं। और हमें उन्हें याद रखना होगा, कि वे... कि उनके पास बातें समान हैं। हमें खुद को नीचे लाना होगा कि उन छोटे बच्चों को याद दिलाये, कि वे खुद...

13 क्या मैं भी—भी इस पर बहुत जोर से बोल रहा हूं, भाई, इस पर बहुत अधिक आवाज़ है? क्या आप मुझे ठीक वहां पीछे सुन सकते हैं, बहुत पीछे? हुंह? रुकना, मैं इसके बहुत पास खड़ा हूं। कौन सा माइक चल रहा है, वे दोनों, ये वाला और यह? मैं—मैं सोचता हूं कि जो यह वाला है जो वहां ठीक है। यही—यही... अब, यह कैसा है, क्या यह अच्छा है? अब ठीक है, अच्छा।

14 अब, छोटे बच्चों को समझना होगा। आप जानते हैं, वे—वे छोटे बच्चे हैं, और हमें याद रखना होगा कि हम भी एक समय छोटे बच्चे थे।

15 और मुझे याद है जब हम छोटे बच्चे थे, वे बाहर निकलकर और एक पुराने देवदार की झाड़ी को कहीं से तो काट कर लाते थे, और माँ कुछ मकई के दाने तोड़कर पेड़ के चारों ओर बाँध देती थी। पेड़ पर लगभग यही सब कुछ लगा हुआ होता था। लेकिन वे छोटे, पुराने फटे हुए मोज़े वहाँ

ऊपर लटके हुए होते थे जैसे... और, ओह, और हो सकता है उसे एक... हो सकता है एक छोटी सी टॉफ़ी की थैली, और वे छोटी–छोटी कड़क टॉफ़ी, (और दो या तीन मेरे लिए, और दो या तीन हम्पी के लिए, और दो या तीन *इसके* लिए), बस टॉफ़ी के छोटे–छोटे टुकड़े, और हम इसे दिन भर रखते, उसे चूसते रहते, आप जानते हैं। और इसे एक छोटे से कागज के टुकड़े में लपेटकर और अपनी जेब में रख लेते। और यदि हमें एक पुरानी ढक्कन वाली पिस्तौल मिलती, या—या एक छोटा सा फूंककर बजाने के लिए भोंपू, तो यह एक बहुत चीज थी, इसी में हम बहुत खुश हो जाते थे।

16 आज, निश्चय ही, यह बिल्कुल ही भिन्न है। निर्धन लोगों के पास बहुत ही थोडा ही पैसा है और ऐसा इसलिए है कि वे अपने बच्चों के लिए और चीजें खरीद सके, वे अच्छे कपड़े पहने, अच्छा खाये, अच्छा जीवन जीये। और कुल—कुल मिलाकर, मैं सोचता हूं कि वे खुशहाल या बेहत्तर हैं, और आज वे वेतन की स्थिति के नीचे है। और इसलिए, छोटे बच्चों, आपको उन्हें कुछ ना कुछ तो देना चाहिए।

17 लेकिन इस बात को हमेशा सुनिश्चित रखें, उन्हें बताएं कि सांता क्लॉज़ जैसी कोई चीज़ नहीं है, क्योंकि यह सही नहीं है। इन दिनों में से एक दिन वे आगे चलकर और कहेंगे, "फिर यीशु के विषय में क्या है? " देखा? देखा? इसलिए उन्हें सच बताओ, हर एक के साथ ईमानदार रहे। सच्चे बने। और, विशेष रूप से, आप अपने बच्चों को कुछ भी गलत नहीं बताये, क्योंकि वे बड़े होकर और कहेंगे... वे एक मसीही के रूप आप पर विश्वास करते हैं, और वे चाहते हैं कि आप... वे विश्वास करते हैं कि जो आप उन्हें बताते हैं वह सत्य है। इसलिए निश्चित करें कि आप उन्हें सच्चाई को बताएं, तब यह सब ठीक हो जाएगा।

18 अब, और फिर मैं चाहता हूं कि मेरे पास कम से कम एक रात, मेरा मतलब एक दिन और हो, यदि मैं कर सकता हूं, आराधनालय के लिए, इससे पहले कि मैं अपने आने वाले वर्षों की सभा के लिए जाऊं, मेरा मतलब, वर्ष की सभा के लिए।

19 और यदि यह परमेश्वर की इच्छा है, तो मैं इस वर्ष बाहर के देशों में बहुत सी सभाओं को लेने की कोशिश करना चाहता हूं, क्योंकि मैं इसकी आवश्यकता को महसूस कर रहा हूं। विशेष रूप से स्विट्जर–... स्वीडन

और नॉर्वे में, और बहुत से स्कैंडिनेवियाई—स्कैंडिनेवियाई के देशों में, और नीचे एशिया में। मैं महसूस करता हूं कि हमें इन बातों के विषय में प्रार्थना करना चाहिए, कि हमें अवश्य ही पवित्र आत्मा के मार्ग को सीखना चाहिए और जिस तरह से वह हमारी अगुवाई करे, और वे चीजें जिसे हमें करना चाहिए।

20 कलीसिया के आरंभिक इतिहास के अध्ययन में, ब्राडबेन्ट और हेजलटाइन के, और इस पर उनकी बहुत सी टिप्पणियाँ, *निसियन फादर्स* में है... और बस कल ही मैंने संत मार्टिन के पूरे जीवन के साथ समाप्त किया जिसे कैथोलिक कलीसिया ने संत घोषित करने से इंकार कर दिया; पर परमेश्वर ने ऐसा किया। सो वे... उसके महान जीवन के विषय में, और किस तरह से वही चिन्ह और चमत्कार ठीक उस मनुष्य के जीवन में से होते रहे; किस तरह से उसने दो मरे हुए लोगों को जिलाया, दुष्ट आत्माओं को निकाला, अज्ञात भाषा में बोला, और दर्शन और इत्यादि को देखा, और क्या ही महान व्यक्ति था। लेकिन, फिर भी, उसकी सामर्थ का रहस्य परमेश्वर के सम्मुख नम्रता में था। और आज हम पाते हैं कि कलीसिया, फिर भी उसकी सामर्थ की शिक्षा दे रही है और चिन्हों को सिखा रही है कि विश्वासी के पीछे जाते है, फिर भी हम उन्हें फूला हुआ देखते हैं, "मैं बड़ा, तुम छोटे," और यह—यह आरंभिक कलीसिया की तरह नहीं है, आप देखते हैं। वे नम्र थे, और एक दूसरे के प्रति दयालु थे, और मधुर, समझदार थे। और यह आज बहुत ही भिन्न है। और मैं सोचता हूं कि क्या इनमें से बहुत सी बातों ने हमें संदेश के—के वास्तविक मूल बातों से भटका तो नहीं दिया हैं, कि, हम अपने आप को नम्र करना चाहते हैं। अपने आप को बनाए रखें... आप जितने अधिक नम्र हो सकते हैं, उतना ही अच्छी तरह परमेश्वर आपका उपयोग करेगा।

21 काल्पनिक कथाओं और इन सारी झूठी कहानी का अध्ययन करते है, क्रिसमस अपने आप में एक झूठी कहानी है। यह नहीं है... क्रिसमस के विषय में कुछ भी वास्तविक नहीं है। यहाँ तक बाईबल में क्रिसमस का उल्लेख भी नहीं किया गया था, उन्होंने कभी भी मसीह के जन्म के दिन की आराधना नहीं की। ऐसी कोई बात थी ही नहीं। यह एक रोमन कैथोलिक सिद्धांत है और ना ही एक मसीही शिक्षा, इसके लिए बाईबल में कहीं भी कोई वचन नहीं है और बाईबल के बाद के पहले सौ वर्षों में, देखो, इसका कुछ भी नहीं। यह तो बस एक झूठी कहानी है। सांता क्लॉस, व्यवसायिक

है, हर एक चीज, सारी चीजें एक बड़े समूह में बदल गई है।

22 यदि आप पीछे जाकर और इसके आरंभ का अध्ययन करें और अब आगे की ओर देखें, आप देखेंगे कि हम कहाँ पर थे। वहां कुछ भी नहीं बचा है, प्रभु के आगमन के अलावा कोई भी चीज सहायता नहीं कर सकती। ऐसा ही है। अब प्रभु के आगमन के अलावा कोई भी चीज़ हमें इस गड़बड़ी से बाहर निकलने में सहयता नहीं कर सकती।

23 क्या यह वो छोटा सा बटन या स्विच है जो उन टेपों को नियंत्रण करता है? हो सकता है कि मैं इस पूरी चीज को कांट–छांट कर दूं, बस इसे बाहर न भेजूं, क्योंकि यह बहुत ही असभ्य है। लेकिन मैं कहता हूं तो... क्या अब टेप बनाए जा रहे हैं? इन टेपों को मत बेचना, देखो, ये टेप बिक्री के लिए नहीं हैं। इन टेपों को कलीसिया में से होते हुए आगे सुनने के लिए दिया जा सकता हैं, या आदि–आदि, लेकिन... क्योंकि यह... यह संसार के जैसे निश्चित रूप से गड़बड़ी को उत्पन्न करेगा। देखा? तो बस इसे रोके रखना जब तक हम इसे अलग तरह से सही नहीं कर लेते।

24 अब, इससे पहले कि हम संदेश के पास पहुंचे, और हर कोई जितना हो सके उतना सोचने और शांत रहने का प्रयास करें। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा, लेकिन मैं अपना समय लेना चाहता हूं ताकि... इसे हृदय में डालना चाहता हूं, ताकि आप वास्तव में इसे देख सकें। अब, आइए पहले... अब, यदि सब कुछ रास्ते से हट गया है, तो मैं विश्वास करता हूं, यहां तक है...

25 [भाई नेविल कहते हैं कि कुछ सीटें उपलब्ध हैं—सम्पा।] जी हां, वे स्त्रियां जो वहां बगल में खड़ी हुई है, वे यहां पर आ जाये। यहां ऊपर आप बहनों के लिए कुछ स्थान है। जी हां। यहाँ एक ठीक यहाँ सामने है। यहाँ ठीक यहाँ पीछे एक कुर्सी है। यहां वेदी पर बच्चे है, यदि कोई उठना चाहता है और एक छोटा बालक, और किसी को अपना स्थान देते हैं, जो वयस्क खड़े हुए हैं। क्यों, वहाँ वेदी पर ठीक यहाँ पर बच्चों के लिए जगह है, और वयस्कों के लिए वहां बैठने के लिए जगह हो सकती है। वे महिलाये वहां खंबे के पीछे खड़ी थी। यदि आप... यह यहाँ बहुत पीछे कोने में है, लेकिन यह... यह वहाँ खड़े होकर अत्यंत थका देता है। यदि आप खड़े रहना चाहते हैं...

26 यहां मंच पर कुछ जगह है। अब, आप में से कुछ भाई जो यहां आना चाहते हैं, इन बच्चों के पास... यहां एक भाई वेय के पास बैठा हुआ है। अब

ऊपर आ जाये, ठीक यहां पर अपनी सीट को ले, ताकि हर कोई... आप ठीक घर पर हो सके, अनुभव करें कि आप... अपने आप को ठीक घर जैसा महसूस करने को लगाये। यहाँ ठीक यहाँ पर एक स्थान है, भाई शेल्बी, यहाँ ठीक यहाँ मंच पर, यदि आप चाहे तो यहां आकर और हमारे पास आकर बैठे, ठीक यहां पर। और भाई इवांस और भाई चार्ली, और आप, यहाँ—यहाँ ठीक यहाँ पर कुछ सीट है, और एक सीट ठीक यहाँ पर, और दो—दो ठीक यहाँ पर है। सीधे ऊपर आ जाये, भाई वहां से... बस सीधे ऊपर आ जाये, अपने आप को सहज से रखे जिससे कि हम कर सके... सभा को करने के लिए—के लिए, हर एक जन बस शांतिपूर्वक रहे, जितना संभव रूप से हम कर सकते है, जिससे कि आप थक कर और ऊबे नही और खड़े ना रहे।

27 आप में से कुछ भाई लोग पीछे... बहन वहां हॉल में पीछे की ओर, वहां पीछे हॉल में खड़े हुए है। आप... अभी भी जगह है। यहां एक और जगह है, यह एक पियानो स्टूल है जिस पर कोई तो उपयोग सकता है, यदि वे आकर और उस पर बैठना चाहते हैं। यह ठीक रहेगा। मैं वहां पीछे एक महिला को देखता हूं जो उसके बगल में एक खाली सीट को दिखा रही है, इसलिए तब यह ठीक है। बस अपने आप को उतना ही सहज महसूस कराएं जितना आप अब कर सकते हैं।

28 और अब जब कि हम स्थित हो रहे हैं, आइए... यह लगभग बीस मिनट है, दस बजकर तेईस मिनट, इस दिसंबर के सत्रहवें दिन पर। यहाँ आज सुबह जेफरसनविले में बाहर बारिश हो रही है। और—और हम बाहर से ख़राब; लेकिन अंदर से अच्छा महसूस करते हैं, अद्भुत, यह जानते हुए कि हम समीप आ रहे हैं, प्रभु का आगमन नजदीक है, और अनंतता की ओर बढ़ रहे है। और हम परमेश्वर के बहुत ही धन्यवादित है कि हम इस प्रात: खड़े हो सके और विश्वासियों को, और अविश्वासियों को, जीवित परमेश्वर का वचन बता सकते है। भरोसा करते हुए कि यह प्रभु की बातों को समझने के लिए हम सभी के लिए एक महान दिन होगा।

29 अब आइए हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिए कुछ क्षण के लिए झुकाएं। और जब कि हमने अपने सिरो को झुकाया हुआ है, यदि कोई है जो चाहता है कि उसे याद किया जाये, तो बस अपने हाथों को परमेश्वर की ओर उठाये, आपके विनंती को अपने ह्रदय में याद करे। धन्यवाद।

30 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसा कि अब हम आराधनालय में हैं, सब बैठे हुए हैं, और माइक्रोफोन चालू है, और रिकार्डिंग को किया जा रहा है, और मसीही लोग प्रार्थना कर रहे है, विनंतीयां ज्ञात करवाई जा रही है। और लगभग दो या तीन सप्ताहों से मैंने आज के लिए इस संदेश पर निरंतर अध्ययन किया है। बस कुछ ही शब्द जो हो सकता है पवित्र आत्मा लोगों के ह्रदय में विषय को अंदर डालने के लिए उपयोग करे, जिससे कि वे समय को देख सके जिसमें हम रह रहे हैं, और प्रभु परमेश्वर से मिलने की तैयारी करें। हम अपने सारे बीमारों के लिए प्रार्थना करें और हर कहीं जो पीड़ित है।

31 हे यीशु, अपनी कलीसिया को याद करे, विश्वव्यापी कलीसिया, आज सुबह जो सारे संसार भर में, कुछ वहां जंगल में है, कुछ नीचे निर्णय की घाटी में, उनमें से कुछ पहाड़ की चोटी पर हैं। और सारे संसार भर में आपके बच्चे आप पर निर्भर हैं और आपको पुकार रहे हैं। और जैसे पुराने समय के यूहन्ना ने, पतमुस टापू पर कहा, "इसी क्षण, प्रभु यीशु, आ।"

32 और हम यह जानते हैं कि हम बिना शत्रु की उपस्थिति के नहीं है, वह हमेशा ही रूकावट के लिए और रोकने के लिए समीप होता है, और कुछ भी करता है जो वह कर सकता है। लेकिन, हे प्रभु, आज सुबह अपने बच्चों को विश्वास देना, शत्रु से ऊपर उठने की सामर्थ देना, जिससे कि उनके ह्रदयो को खोले और उनके प्राण को उपजाऊ भूमि बनाये जहां पर जीवन के वचन को बोया जा सके, और महान आनंद और एक बहुत बड़ी कटनी को लेकर आए।

33 मैं प्रार्थना करता हूं, प्रभु, कि आप अपने वचन और अपने सेवकों को आशीषित करेंगे। मेरी इस कमजोर आवाज की सहायता करना ताकि मैं पवित्र आत्मा के अभिषेक के द्वारा दृढ़ बना रह सकूँ। और फिर प्रार्थना पंक्ति में, सामर्थ और विश्वास को देंना, प्रभु, कि हमारे बीच में एक भी निर्बल व्यक्ति नहीं होगा जब हम इस इमारत को छोड़ेंगे। इसे प्रदान करें, प्रभु।

34 हम जानते हैं कि हम अंत समय में जी रहे हैं। और हम आपसे मांगते हैं कि अब हमें आशीषित करें जब हम आगे आप पर रुके हुए हैं और आपके वचन को पढ़ते हैं। यीशु के नाम में हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

35 अब मैं वचन में दो या तीन स्थानों से पढ़ने जा रहा हूं, और जैसा कि मैंने पिछले रविवार को घोषणा की थी कि आज मैं इस पर बोलने की

कोशिश करूंगा: *मसीहत बनाम मूर्तिपूजा।* और आज सुबह का यही हमारा विषय है। और, अब, मैं कोई धर्मज्ञानी नहीं हूं, ना ही किसी भी तरह से बाईबल का विद्यार्थी हूं, बस एक अनपढ़ व्यक्ति हूं जो अपने पूरे हृदय से प्रभु यीशु से प्रेम करता है। मैं एक धर्मज्ञानी होने का दावा नहीं करता या किसी के स्थान को लेने की कोशिश नहीं करता, लेकिन बस अपने हृदय की नम्रता में उन बातों को समझाने की कोशिश करता हूं जिसे मैं अनुभव करता हूं कि पवित्र आत्मा ने मुझ पर प्रकट किया है, और मुझे अवश्य ही अपनी कलीसिया को देना चाहिए। क्योंकि यही मेरी रुचि है कि यह कलीसिया विकसित होती जाये, कि यह कलीसिया आत्मिक रूप से सही हो। यही मेरी रुचि है क्योंकि यह कलीसिया परमेश्वर की रुचि है, और उसकी रुचि मेरी रुचि है। इसलिए मुझे इसे अवश्य ही देखना चाहिए।

36 आरंभ के इतिहासकारों को पढ़ रहा था, इरेनियस और उन लोगों ने, कैसे उन्होंने अपनी कलीसिया को संसार की चीजों से निष्कलंक रखा, कैसे वे पुराने शिक्षक लोग वहां पर पहुंचकर और वास्तव में उस सुसमाचार के साथ बने रहे। बाईबल तब इस रूप में नहीं लिखी गई थी जैसा कि अभी हमारे पास है, जब तक कि सुधारक नहीं आये, और लूथर ने इसे छापा। लेकिन उनके—उनके पास वो था जिसे वे *सुसमाचार और प्रेरित कहते थे। सुसमाचार और प्रेरित,* और वे उसी के साथ बने रहे।

37 अब, हमारे पास दो स्थान है जहाँ से हम इस सुबह को पढ़ने का लक्ष्य रखते हैं, उनमें से एक यिर्मयाह की किताब में पाया जाता है, 7वां अध्याय, और 10वें से आरम्भ होकर 18वें पद तक है। दूसरा स्थान प्रेरितों के काम 7:49 में देखते है। और यदि आप इसके लिए विषय को चिह्नित करना चाहते हैं, या इसमें से पाठ्य भाग को, यिर्मयाह 7, यह 18वां पद है। मैं चाहूंगा कि 10वें पद से पढ़ना आरंभ करूं।

> *और क्या यह उचित है कि तुम इस भवन में आकर जो मेरे नाम का कहलाता है, और यह कहो, कि हम इसलिये छूट गए हैं कि ये सब घृणित काम करें?*
>
> *क्या यह भवन जो मेरा कहलाता है, तुम्हारी दृष्टि में डाकुओं की गुफ़ा हो गया है? मैं ने स्वयं यह देखा है, यहोवा की यह वाणी है।*
>
> *मेरा जो स्थान शीलो में था, जहां मैं ने पहिले अपने नाम का*

निवास ठहराया था, वहां जा कर देखो कि मैं ने अपनी प्रजा इस्राएल की बुराई के कारण उसकी क्या दशा कर दी है।

अब यहोवा की यह वाणी है, कि तुम जो ये सब काम करते आए हो, कि यद्यपि मैं तुम से बड़े यत्न से बातें करता रहा हूँ, तौभी तुम ने नहीं सुना;... और तुम्हें बुलाता आया परन्तु तुम नहीं बोले;

इसलिये यह भवन ऐसा करूंगा, जो मेरे नाम का कहलाता है, जिस पर तुम भरोसा रखते हो, और यह स्थान जो मैं ने तुम को और तुम्हारे पूर्वजों को दिया था, इसकी दशा मैं शीलो की सी कर दूंगा।

... और अपने साम्हने से दूर कर दूंगा,... मैं तुम्हारे सारे भाइयों को दूर कर दूंगा, मैंने तुम्हारे सारे भाइयों को निकाल दिया है, यहाँ तक कि एप्रैम के सारे बीज को भी निकाल दिया है।

इसलिए इस प्रजा के लिये तू प्रार्थना मत कर, और न इन लोगों के लिये ऊंचे स्वर से पुकार न मुझ से बिनती कर, ना ही मुझ से कोई बिचवाई करना: क्योंकि मैं तेरी नहीं सुनूंगा।

क्या तू नहीं देखता कि ये लोग यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों में क्या कर रहे हैं?

38 अब मैं रुकना चाहता हूं इससे पहले कि मैं इसका अंतिम पद पढ़ूं। मुझे अब फिर से आरंभ करने दो। परमेश्वर इन लोगों को फटकार लगा रहा है, और कह रहा है, "यहाँ तक उनके लिए प्रार्थना भी मत करना।" मैं 16वें पद से आरंभ करूंगा और अब वहां से 18वें पद तक पढ़ूंगा। ध्यान से सुनना।

इसलिए इस प्रजा के लिये तू प्रार्थना मत कर, और न इन लोगों के लिये ऊंचे स्वर से पुकार न मुझ से बिनती कर, ना ही मुझ से कोई बिचवाई करना: क्योंकि मैं तेरी नहीं सुनूंगा।

क्या तू नहीं देखता कि ये लोग यहूदा के नगरों और यरूशलेम की सड़कों में क्या कर रहे हैं?

देख, लड़के बाले तो ईधन बटोरते,... बाप आग सुलगाते, और स्त्रियां आटा गूंधती हैं, कि स्वर्ग की रानी के लिये रोटियां बनाये;

और मुझे क्रोधित करने के लिये तू *दूसरे देवताओं के लिये तपावन दें।*

39 अब, मैं चाहता हूं कि प्रेरितों के काम की किताब, 7वें अध्याय की ओर जाए, और 44वें पद से आरंभ करते हुए, और आगे 50वें पद तक पढ़ेंगे।

साक्षी का तम्बू जंगल में हमारे बाप दादों के बीच में था, जैसा उस ने ठहराया, जिस ने मूसा से कहा, कि जो आकर तू ने देखा है, उसके अनुसार इसे बना।

उसी तम्बू को हमारे बाप दादे पूर्वकाल से पाकर यीशु के साथ यहां पर *ले आए, जिस समय कि उन्होंने उन अन्यजातियों* का *अधिकार पाया, जिन्हें परमेश्वर ने* हमारे *बाप दादों के साम्हने से निकाल दिया, और वह दाऊद के समय तक रहा;*

उस *पर परमेश्वर ने अनुग्रह किया, सो उस ने बिनती की, कि मैं याकूब के परमेश्वर के लिये निवास स्थान ठहराऊं।*

परन्तु सुलैमान ने उसके लिये घर बनाया।

परन्तु परमप्रधान हाथ के बनाए घरों में नहीं रहता; जैसा कि भविष्यद्वक्ता ने कहा।

कि प्रभु कहता है, स्वर्ग मेरा सिहांसन और पृथ्वी मेरे पांवों तले की पीढ़ी है: मेरे लिये तुम *किस प्रकार का घर बनाओगे? यहोवा यों कहता है: और मेरे विश्राम का कौन सा स्थान होगा?*

40 अब, आप वचन को पढ़ने के द्वारा देख सकते हैं, कि, जहां मैं आज सुबह अपने विचार को रख रहा हूं, पहले "मूर्तिपूजा," पर, आरंभ से। *मूर्तिपूजा* के विषय में बहुत ही कम लिखा है। मूर्तिपूजा की व्याख्या करने के लिए बहुत सी किताबें नहीं हैं, मूर्तिपूजा क्या है, और फिर भी संसार इससे भरा हुआ है। मैं सोचता हूं इसका कारण है, क्योंकि इसे वास्तव में लोगों को कभी नहीं समझाया गया, नहीं जानते हुए कि यह क्या होगा। और यह मेरा सौभाग्य रहा है, और मेरे जीवन में मेरा बड़ा सौभाग्य रहा है, यात्रा करते हुए, किसी मूर्तिपूजा को देखना, यह जानना कि यह क्या है।

41 और फिर पिछले कुछ हफ्तों में मूर्तिपूजा का अध्ययन करते हुए, काल्पनिक कथा, यूनानी काल्पनिक कथा और रोमन काल्पनिक कथा को, तब यह मुझे वापस लाता है, यह देखने के लिए कि क्या उन्होंने

मारा... अब भी उसी चीज को जीवित रखा हैं, देखने के लिए कि क्या मूर्तिपूजा उसी तरह से बनी हुई है जैसे यह आरंभ में थी। आज यात्रा करते हुए, मूर्तिपूजा को देख रहा था; और फिर देखते हुए जिस तरह से यह आरंभ हुआ, पढ़ रहा था कि यह कैसे आरंभ हुआ... शुरुआती दिनों में; मैं देखता हूं कि यह नहीं बदला है।

42 अब, मैं भारत में रहा हूं, भारत मूर्तिपूजा से भरा हुआ है। उनके पास वहां आग पर चलने वाले लोग है और भिन्न... मैं सोचता हूं, एक दोपहर जब मैं बंबई में पहुंचा, उस दोपहर बाद मेरा मनोरंजन हुआ था... मैं... किसी ने मुझे बताया, मैं नहीं जानता कि कौन क्या था, वे बस जैन लोगो के मंदिर में थे। और यह या तो सत्रह या सात थे, भिन्न–भिन्न धर्म के, और मुझे इतना पक्का है कि यह सत्रह विभिन्न धर्मों ने मुझसे वहां वचन की चुनौती में मेरा सामना किया था, और उनमें से प्रत्येक दृढ़ता से मसीह के विरोध में है। सत्रह विभिन्न धर्म! और वे... उन्होंने हमसे मंदिर में हमारे जूते उतारने को लगाये, और अंदर ले गये, और उन्होंने हमें तकिए पर बैठा दिया। और इसमें कुछ समय लगता है कि सारे बेकार के नियमों में से होकर जाये (जैसा कि मैं इसे कहता हूं) हमें इसमें से होकर जाना था। लेकिन शहर का मेयर वो खुद एक हिंदू था, हमें जो एक मुसलमान है वहां पर लेकर गया।

43 और मोहम्मद एक भविष्यवक्ता था, और वह इश्माएल के वंश से बाहर आया जो कि अब्राहम का पुत्र भी था।

44 और ये इस पंक्ति में था जो यह प्रसिद्ध सुसमाचारक आज संसार में है, कि, वे उनके एक व्यक्ति से भाग रहा था जिसने उन्हें वचन में मुकाबला करने की चुनौती दी थी। और, मेरी राय में, सुसमाचारक को कहना चाहिए था, "मेरे पास चंगाई का कोई दान नहीं है, लेकिन हमारे विश्वासियों के समुदाय के पास यह दान है। आप मुझे कुछ घंटों का समय दें, और मैं यहां किसी को लेकर आऊंगा।" समझे? लेकिन, निश्चित रूप से, ऐसा करने में, तब सुसमाचारक खुद को उन संगठनों के सामने प्रदर्शित कर देता है जो उसका समर्थन कर रहे थे, और तब उसे बाहर निकाल दिया जाता है।

45 और फिर दूसरी बार सोचने पर, मैं विश्वास नहीं करता कि मैं उस अविश्वासी को परमेश्वर के वचन पर जयवन्त होने दूंगा। यदि मैं हार गया जाता, तो भी मैं वहीं खड़ा रहता और परमेश्वर में अपने विश्वास और भरोसे को दिखाता कि वो वैसा ही बना रहता है। जैसा कि इब्रानी बच्चो ने

कहा, "हमारा परमेश्वर हमें इस आग की भट्टी से छुड़ाने में सक्षम है, लेकिन फिर भी हम तुम्हारी मूर्तियों के सामने नहीं झुकेंगे।" जी हां, मैं विश्वास करता हूं कि यह अधिक साहस की बात होती। और फिर से मैं...

46 एक धर्म ज्ञान के विद्वान होने पर और वचन में अच्छी तरह से पदस्थापित होने पर, जैसे बड़ा सुसमाचारक होता है, और वो एक जोरदार व्यक्ति है, मैं सोचता हूं कि मैंने उसे वचन पर चुनौती दी होती, क्या यीशु मसीह था या नहीं, या क्या मोहम्मद भविष्यवक्ता था या नहीं, और उसे अपनी खुद की बाईबल के द्वारा साबित किया होता था। यदि यह मेरी बुलाहट रही होती (बाईबल में) जैसे कि यह सुसमाचारक है, इसे समझाने के लिए, मैं उस स्थिति को दृढ़ बना रहता, बजाये इसके कि बस इससे दूर भागकर और पीछे हटने लगू। यह दिखाता है... यह उस सच्चे मसीही के साहस को नहीं दिखाता है जो वहां दृढ़ बना रहता है, जीयूं या मरूं। परमेश्वर छुड़ाने में सक्षम है। मैं विश्वास करता हूं कि मैं उस चीज के लिए उसके हाथ के लिए पुकारता।

47 लेकिन वे बंबई के बारे में सोचना भूल जाते हैं, जब वहां पर अंधा व्यक्ति, मुसलमान, उस रात्रि जिसने सभा में उसकी दृष्टि को पाया। वे इसका उल्लेख नहीं करेंगे।

48 लेकिन, फिर भी, ये लोग पाखंडी नहीं हैं। वे ईमानदार लोग हैं, उतने ही ईमानदार जैसे आप और मैं है, और कभी–कभी हम जो यहां अमेरिका में है उससे अधिक होते हैं। वे ढोंगी लोग नहीं हैं। वे सचमुच ऐसा विश्वास करते हैं और पूरी लगन से इसका पालन करते हैं।

49 मैं आपको मूर्तिपूजा के विषय में कुछ तो बताऊंगा। मैं उस देवता का नाम भूल जाता हूं, जो अग्नि पर चलने वालों का देवता होती है, लेकिन यह एक बड़ी मूर्ति है, विशाल... कुछ तो एक मनुष्य के चेहरे से मिलता जुलता, एक प्रकार का नक्काशीदार जैसा चेहरा, उनके सभी पापों को सुनने के लिए विशाल, बड़े कान इत्यादि के साथ। और बड़े, भारी माणिक जैसे बालियां... यहां उसके कानों में थे, जो कि, हो सकता है, एक पांच लाख की कीमत का एक टुकड़ा, हो सकता है; यह बहुत ज़्यादा भी हो सकता है, और बहुत कम भी। लेकिन, ओह, इस मूर्ति में कितने बड़े–बड़े कीमती रत्न जड़े हुए थे!

50 और मंदिर का पुजारी गरीब किसान को लाता है, उसे नहीं... बस एक

साधारण सा व्यक्ति, कोई विशेष व्यक्ति होना जरुरी नहीं है। वह बस एक साधारण मनुष्य होता है, एक किसान जो उसके देवता को एक अच्छी फसल के लिए धन्यवाद देना चाहता है। और, ऐसा करने में, वह देवता में अपने विश्वास को प्रकट करता है जब वह मंदिर में आता है और उसके याजक के द्वारा आशीष होती है।

51 और फिर... कोयले के कुण्ड में से होकर चलने के लिए तैयार होता है जो कि कई फुट गहरा और कई फुट चौड़ा होता है, और पंखे से उस हवा करते है जब तक वे तपकर गर्म नहीं हो जाता। अब, यह कोई नाटक नहीं है, यह सच्चाई है। वो मूर्ति के सामने जाता है, इस पुजारी के सामने अपने पापों को स्वीकार करता है, और वे उस पर पानी डालते है; पवित्र जल, और इत्यादि, जिसे पुजारी ने आशीषित किया है।

52 और फिर, बहुत सी बार, वे एक बड़े कांटे को लेते हैं, मछली का काँटा, बड़ा, मोटा, हो सकता है आधा इंच से लेकर तीन चौथाई तक वो—वो चौड़ा, हुक की उस—उस नोक से लेकर पीछे के भाग तक। और उन्होंने उस पर पानी का एक छोटा सा गोला रखते है, जैसे एक छोटा सा क्रिसमस के पेड़ का आभूषण होता है, और एक छोटी सी गेंद, और इसे भारी बनाने के लिए पानी से भर देते है। और वे पूरी तरह से उन हजारों को लेकर और उन्हें उनके शरीर में फंसा देते है, उन्हें बाहर खींचते है। जैसे ही वे अंदर जाते हैं, उनके शरीर में, उन्हें खींच लेते हैं, जिससे कि उनके देवता, उस मूर्ति को प्रसन्न करने के लिए यातना से होकर गुजरे। वे ढोंगी लोग नहीं हैं।

53 फिर, बहुत सी बार, वे अपनी जीभ को बाहर निकालते हैं और उस पर कांटेदार एक भाला लेते हैं, कि अपनी जुबान में से होते हुए और अपनी नाक से होते हुए और इसे एक साथ अटका देते है, धागे के टांके को लेते हैं और उनके मुंह को एक साथ सिल देते हैं यदि वे... यह कथित बातें गलत हैं। और ऐसी यातना!

54 और फिर आग के इस बड़े कुंड के पास बैठकर। वे एक बकरी को घात करते हैं, मूर्ति को खुश करने के लिए, उनके पापों के लिए एक जीवन को भेंट चढाते हुए। और आपको उस—उस बकरे की मिमयाने को सुनना चाहिए जब वह बकरा घात होता है। वे इस पर उनके पापों को स्वीकार करते हैं और बकरी को घात करते हैं, फेंकते हैं... लहू को प्रायश्चित के रूप में लेते हैं।

55 और फिर यदि यह आग पर चलने वाला, यदि वह डर जाता है और यदि डरकर आग में से भाग जाए, तो वह अपने ऊपर दोष को लाता है। लेकिन उसे अवश्य ही इन अंगारों में से होते हुए धीमे और स्थिर होकर चलना है। और कभी–कभी वे पन्द्रह फुट तक गहरे होते हैं, ये जो आग के अंगारे है। और हो सकता है पन्द्रह शायद पंद्रह फुट गहरा और हो सकता है तीस गज या चालीस गज लम्बा, और लगभग, ओह, हो सकता है आठ या दस फुट चौड़ा हो। और वे तपते हुए गर्म होते है। और उस पर एक लबादे के अलावा कुछ भी नहीं था, जो एक छोटे से लंगोटी की तरह उसके बीच में लपेटा हुआ होता है। और वह वहां से बाहर निकलता है, इस सब के साथ ये लटकता है, और लहू बह रहा होता है, और मछली के काँटे और हर चीज उसके सारे शरीर पर होते है, अपने आप को एक पागलपन की अवस्था में ले जाता है इतना तक कि सफेद लार उसके मुंह से बाहर आने लगती हैं।

56 और यहां पर वह, उस आग में से होकर चलते हुए आता है, और चलकर दूसरी ओर से बाहर निकलता है, बिना किसी हानि के, आग में से होते हुए, और हो सकता है उसके पैर *उस* गहराई में जा रहे हो (पैर) नीचे आग के अंदर तक, दो फुट या उससे अधिक, जब वो चलता है, उन लाल गर्म अंगारो उसके मनुष्य शरीर को खींचते है, वो उस आग में से होकर चलता है और बिना किसी हानि के दूसरी ओर से बाहर आ जाता है। आप उसके पैरों को देख सकते हैं, ना ही एक भी खरोंच होती है या कुछ जला हुआ हो।

57 और ऐसी चीज को देखते हुए, और सोचते हुए, यदि एक पागान की मूर्ति के लिए एक बलिदान को देते है, एक बकरी के लहू से, विश्वास के साथ, जो मूर्तिपूजको को आग से बचायेगा, तो यीशु मसीह का लहू जीवित परमेश्वर पर विश्वास करने वालो के लिए क्या करेगा?

58 अब, मूर्तिपूजा एक अजीब सी चीज है। पीछे युगों में से होते हुए हमारे पास ऐसा था, हर एक जब से... अनुमान लगाता हूं, समय की शुरुआत से। अब, इस मूर्ति की आराधना का प्रबन्धक वह मनुष्य है जो मूर्ति को स्थापित करता है, मूर्ति को तैयार करता है, तब वह अंदर जाकर और खुद को इस बड़े आराधना के लिए तैयार करता है। अब, वह विश्वास करता है कि यह मूर्ति किसी देवता के स्वरूप में बनी है जिसे उसने कभी नहीं... कभी

नहीं देखा है। उसका कोई आकार नहीं है, इसलिए वह विश्वास करता है कि वह इस मूर्ति की छवि में है जिसे वह इस देवता के लिए बनाता है।

59 अब, इसे आप पर ना छोड़े! वह "स्वरूप" उस काल्पनिक परमेश्वर के स्वरूप में है, जिस पर वह विश्वास करता है कि यह है।

60 उसके बाद वह इस मूर्ति के सामने जाता है और खुद को दंडवत करता है, और विश्वास करता है कि वो परमेश्वर जो एक अनदेखा व्यक्ति है, इस मूर्ति के अंदर उतर कर नीचे आता है, और वह विश्वास करता है कि वह इस मूर्ति के जरिये से देवता से बात करता है, वो देवता स्वयं को इस मूर्ति के अंदर लेकर आता है और उसे वापस उत्तर देता है। और आप में से बहुत से शिक्षक जो यहां पर है जिन्होंने काल्पनिक कथाओं को लिया है... यहां तक कि वे देवता, वे एक दूसरे के साथ लड़ते थे, वे ऐसा दावा करते है, और हर एक चीज, उन दिनों में।

61 अब, दूसरे शब्दों में, वो देवता स्वयं को अपनी अलौकिक स्थिति से सम्मोहित करता है, इस मूर्ति के अंदर, और इस मूर्ति के जरिये से आराधना करने वाले से बात करता है। और आराधना करने वाला, किसी प्रकार की एक निर्मित भावात्मक चेतना में, विश्वास करता है कि मूर्ति उससे बात करती है, उसके ह्रदय से, और उसे उसके पापों के लिए क्षमा किया गया है और जो भी है, इस मूर्ति के जरिये से, जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यह शैतान है। यह शैतान है जो इसे करता है।

62 और वे बस चीजों को लापरवाही तरिके से नहीं करते हैं; उनमें से कुछ लोग करते हैं, लेकिन उन चीजों के कुछ बहुत ही सच्चे आराधना करने वाले होते हैं। उदाहरण के लिए, मैं आपको कहानियां बता सकता हूं कि कैसे उन मूर्तियों में वे शैतान हर प्रकार की चीजों को प्रदर्शित करते हैं, चीज़ों में से खून निकालता है और बाकी की हर चीज करता है। वे—वे—वे शैतान हैं!

63 और यदि आप विश्वास नहीं करते... वहां वास्तव में एक शैतान है, तो आप विश्वास नहीं करे कि वहां एक परमेश्वर है। निश्चय ही, आपको इसके विपरीत पक्ष और विपक्ष दोनों पर विश्वास करना होगा। इसलिए वहां एक वास्तविक शैतान है, और वह एक व्यक्ति है। ना ही एक *विचार* है, वह एक *व्यक्ति* है।

64 अब, वहां इस पर शिक्षा को बताया जाता है जो कहती है, "शैतान बस

एक—एक बुरा विचार है जो आपको मिलता है।" नहीं, नहीं, ऐसा नहीं है। शैतान एक व्यक्ति है।

65 वही लोग विश्वास करते हैं कि "पवित्र आत्मा तो बस एक—एक अच्छा विचार है जो आपको मिलता है।" परंतु इस बात का विश्वास ना करें। पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है, यह आत्मा के रूप में मसीह का व्यक्ति है।

66 अब, ये मूर्तिपूजा करने वाले... और आपने अपने पवित्र शास्त्र के वचनों को तैयार रखा है मेरा मतलब आपके वचनों में से स्थानों के लिए तैयार है। मैं—मैं उनमें से कुछ वचनो का हवाला थोड़े ही समय में दे सकता हूं, उनमें से हम कुछ को पढ़ सकते हैं। अब, ये मूर्तिपूजक, अपने आप को मूर्ति के सामने दंडवत करते हैं, विश्वास करते है कि जिस देवता की वे आराधना कर रहे हैं, वह इस मूर्ति में प्रतिनिधित्व करता है। अब, क्या आपने इसे समझ लिया, कि आराधना करने वाला एक ढोंगी नहीं होता है? वह वास्तव में किसी चीज को पकड़ रहा है जो उस मूर्ति में मौजूद है, क्योंकि यह उस पर वापस आता है, वह कुछ तो करता है; इसे उस मूर्ति से लेता है, जो कि एक काल्पनिक देवता है, ना कि एक वास्तविक।

67 और बहुत सी बार शैतान उन चीजों में आ जाता है। और शैतान कभी–कभी सभाओं में घुसकर और अपने आप को परमेश्वर के रूप में नकल करता है। मैंने इसे अपनी सेवकाई में देखा है।

68 अब, याद रखना, यह बस... हम आज सुबह बस शिक्षा को दे रहे हैं। और मैं इस कलीसिया से चाहता हूं, जब मैं यहां पर सेवकाई के लिए निकलता हूं जिससे कि बाहर कार्य क्षेत्र में जाऊं, मैं चाहता हूं कि आप अपने पास्टर के साथ बने रहे और उस शिक्षा के साथ बने रहे जो यहां सिखाई जाती है। इस वचन के साथ बने रहे, आप इसे छोड़ना मत! आप वचन के साथ सही बने रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता कुछ भी आए या जाए, आप वचन के साथ बने रहें, उस वचन के साथ बने रहे! समझे? अब, और सिर्फ इसलिए कि मैं चला जाता हूँ... मैं यहाँ के पास्टरो में से एक हूँ। भाई नेविल उसी बातों को सिखाते हैं जो मैं सिखाता हूं, इसलिए बस सीधे कलीसिया में आ जाये और वचन को सुने।

69 मैं नहीं जानता हूं कि वह मेरी अगुवाई कहां पर करने जा रहा है। मैंने आज सुबह अपनी पत्नी को मेज पर बताया, "मुझ में कुछ तो ऐसा है जो इन सारे वर्षों में पुकार रहा है, मैं इसका पता करूंगा कि यह क्या है।" अब,

मैं नहीं जानता कि यह किस ओर अगुवाई करेगा, यह कहां जाएगा, लेकिन जहां वह मेरी अगुवाई करता है, मैं उसका अनुकरण करूंगा।

70 अब, मूर्तिपूजा, यह आज भी है। हम देखते हैं... मैं लोगों को वेदी पर आते हुए देखता हूं, और अंधे शिक्षकों की अंधी बातों के साथ, जो कहेंगे, "बस खोल दो, सब कुछ भूल जाओ, अपने दिमाग को खाली कर दो। आप एक—एक एलिय्याह बन जायेंगे। आप *ये*, *वो*, या *कुछ* और बन जायेंगे।" क्या ही झूठ है! आप परमेश्वर के पास नहीं आते... इसका मतलब है अपनी आत्मा को सभी प्रकार की शैतानी आत्माओं के लिए खोल देना। आप ऐसा ना करें। आपको इस बात को अवश्य ही याद रखना चाहिए कि वहां एक शैतान है, और वह शब्द दर शब्द मसीह का ही रूप धारण करता है।

71 मैं कुछ समय पहले *संत मार्टिन का जीवन* इस किताब में पढ़ रहा था, कि जहां पर एक लड़का था, वह असल में एक भिक्षु था, और उसने कहा कि परमेश्वर ने उसे पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से एक होने के लिए बुलाया है, "तुम मेरी सुनना, मैं पुराने भविष्यद्वक्ताओं में से एक हूं।" और विद्यालय... मार्टिन, निश्चित रूप से, इस तरह की बातों को नहीं सुनेगा। सो उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया क्योंकि लड़के का जीवन इसके अनुरूप नहीं था। अंत में उसने कहा, "मैं तुम्हें साबित करूंगा कि मुझे एक पुराना भविष्यव्यक्ता होने के लिए बुलाया गया है। बस एक युवा व्यक्ति," कहा, "लेकिन मुझे बुलाया गया है।"

72 देखो, "दान और बुलाहट बिना पश्चाताप के होते है।" देखो, वे वचन से हट जाते हैं, और जब आप वचन से हट जाते हैं तो आप किसी भी चीज के अंदर आ जाते हैं।

73 और इस लड़के ने कहा, "आज रात, लगभग आधी रात को, परमेश्वर मुझे एक सफेद वस्त्र देने जा रहा है, कि आप सभी के साथ बैठूं, यह दिखाने के लिए कि मैं एक पुराना भविष्यद्वक्ता हूं।" तो वे, उस रात उन सभी ने सुना, और फुसफुसाते हुए और अंदर आते थे, और लोग यात्रा करके आये। और लड़के ने एक सफेद वस्त्र पाया। जब मिलने वाले चले गए, उन्होंने जाकर और वस्त्र की ओर देखा, यह वास्तव में था, एक असली, सफेद वस्त्र, बहुत अच्छा दिखाई देता था।

74 लेकिन, वो पुराना बिशप, वह बस इसे नहीं समझ सका। यह सही प्रतीत नहीं हुआ, क्योंकि, यह बस वचन के अनुसार नहीं था (एक सफेद

वस्त्र)।

75 और जब उसने किया, उन्होंने कहा, "इस वस्त्र को लेकर और संत मार्टिन के सामने खड़े हो जाओ, जो परमेश्वर का जन है।" और वह ऐसा नहीं होता है। वह उस सच्चे भविष्यवक्ता के सामने नहीं खड़ा होता है। वह खड़ा नहीं होता है; और उन्होंने उसे ऐसा करने के लिए मजबूर किया। और जब वे उसे लेकर जाने लगे, वह वस्त्र लुप्त हो गया और कहीं तो चला गया, वे नहीं जानते थे कि यह कहां गया। देखो, जब इसे एक बल परीक्षा में लाया जाता है!

76 यदि आपके पास सच्चा सोना है तो आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है कि यह अच्छा है या नहीं, यह कहीं भी परीक्षा में खड़ा होगा। और परमेश्वर का सच्चा आत्मा परीक्षा में खड़ा रहेगा क्योंकि यह परमेश्वर के वचन पर परखा गया है। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।"

77 मैंने लोगों को पागलपन में जाते हुए देखा है, अच्छे लोग। (अब आप देख सकते हैं कि मैं क्यों नहीं चाहता कि यह—इस टेप को बेचा जाए।) मैंने अच्छे लोगों को देखा है, और पेंटीकोस्टल लोगों को देखा है, पास्टर जिन्होंने नहीं समझा, लोग पागलों की तरह व्यवहार करने लगते हैं और बेहोश होकर गिर जाते हैं, और इसी तरह सी हर चीज, और—और कामों को करते हैं, और अंत में उन्हें पागलों की संस्थान में लेकर जाते है। यह उनके हृदय को खोल रहा था, निर्दोष लोग, और शैतान ने वहां आकर और जगह को ले लिया। वहां एक वास्तविक शैतान है!

78 मैं पढ़ रहा था कि यह एक कहां से आया... मैं सोचता हूं कि यह इरेनियस या मार्टिन था, कोई तो एक, (बाईबल के कुछ विद्यार्थी जो मुझसे बेहतर इसके जानकार हैं), उसके सिर पर एक सोने का मुकुट था, सफेद वस्त्र पहने हुए, सोने से जड़े हुए जूते, और कहा, "मैं मसीह हूं, मुझे स्वीकार करो!" वह संत ऐसा नहीं करेगा। परमेश्वर का वह सच्चा भविष्यवक्ता वहां खड़ा था, रुका हुआ था। और उन्होंने उससे दो या तीन बार कहा, "मैं मसीह हूं, मुझे स्वीकार करो!"

उसने कहा, "हमारा मसीह इस तरह से नहीं आता है।"

79 यह सही बात है, आपको वचन को जानना है! वचन पर बने रहे! देखो, वो बड़ा युद्ध निकट है। अब, हमने वर्षों और वर्षों से कलीसिया–कलीसिया खेला है, लेकिन अब समय आ चूका है कि जब यम्ब्रेस और यर्नेस मूसा

का सामना करेंगे जैसा कि बाईबल ने कहा कि वे करेंगे। और यह आत्मिक लड़ाई होगी, युद्ध। वहां कुछ ऐसे ही होंगे जो बस जारी रखेंगे, संप्रदायिक कलीसिया बस सीधे इसके संप्रदाय के अंदर बढती जाएगी और जिस रास्ते पर चल रही है उसी रास्ते पर चलेगी। लेकिन मेरा अर्थ है कि वास्तविक सच्चा विश्वासी उस युद्ध के मैदान में आ रहा है, और अच्छा होगा कि आप अच्छी तरह से जानकर हो और जाने कि आप क्या कर रहे हैं, नही तो आप एक दुष्ट आत्मा को इतनी आसानी से ले सकते हैं और आपको पता भी नहीं चलेगा। यदि यह इस वचन के विपरीत है, तो इसका विश्वास ना करें! उस वचन के साथ बने रहे!

80 मूर्तिपूजा, मूर्तिपूजा पुरानी है, यह यहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका में पुरानी बात है। और वर्षों पहले, पुएब्लो इंडियन, और वहां एरीजोना में, वे एक मूर्ति की आराधना करते थे। और, यह था, उनके—उनके पास एक वर्षा का देवता था। और वर्षा का देवता जो... एक—एक मिट्टी का कछुआ लेते, और उन्होंने एक मिट्टी के कछुए की एक मूरत बनाई। और उन्होंने उस पर ऐसे धब्बे लगा दिए जैसे वह कीचड़ में से निकलकर आया हो। और वे अपने आप को इस कीचड़ के कछुए के सामने गिराकर दंडवंत करते है, यह विश्वास करते हुए कि यह एक वर्षा का देवता है जो इस कीचड़ के कछुए के खाल में नीचे उतर आया है और इस कीचड़ के कछुए में से होकर उनसे बात करता है। क्योंकि उन्होंने विश्वास किया कि... वह कीचड़ में और नमी में रहता था, और वह इस पर एक देवता था। उनके पास एक... यह एक काल्पनिक कथा है, बस एक—एक बनावटी विश्वास कि यह सच है।

81 अब, और उन्होंने ऐसा करने में शैतानों की आराधना की। एक मिट्टी के कछुए की आराधना करते हुए, यह सोचते हुए कि यह वर्षा का देवता है, उन्होंने उन पर आत्मा को लाया, निश्चय ही, क्योंकि उन्होंने इसके लिए अपने हृदय को खोल दिया। लेकिन यह गलत आत्मा थी!

82 वैसे ही आज बहुत से लोग अपने हृदय को गलत चीजों के लिए खोल रहे हैं! आपको एक आत्मा तो मिलती ही है, लेकिन बहुत सी बार यह वचन का विरोध करती है, कहते हुए, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत चुके हैं! *यह* या *वह,* इस तरह की चीज है ही नहीं।" याद रखें, यह एक शैतान है जो मसीहत के भेष में है। परमेश्वर हमारी सहायता करे, जब हम इस पर थोडी देर बाद जाए, कि आप इसे देख सके, देखो, कि यह मसीहत के भेष

में एक दुष्ट आत्मा है। लेकिन यह मसीह का आत्मा नहीं है, क्योंकि मसीह का आत्मा हर समय वचन की ओर आता है। वह अपने खुद के वचन का इन्कार नहीं कर सकता।

83 अब, जब मसीहत रोम में आई, रोम, उसी रोम के शहर में, जहाँ सात मील की दीवार के अंदर चार सौ पागान या मूर्तियों के मंदिर थे। चार सौ पागान के मंदिर, और वे देवी और देवताओं के थे। *वे देवता और देवियाँ,* "स्त्रियां और पुरुष।" चार सौ अलग–अलग देवता। इस पर सोचे, चार सौ!

84 अब, यही है जो पौलुस ने पाया जब वह रोम आया। यही है जो अक्विला और प्रिस्किल्ला के देखा था जब उन्हें पेंटीकोस्ट से दूर भेजा गया था और रोम में एक कलीसिया की स्थापना की थी; यही है जिसके अंदर वे आ गये, पागान मूर्तियों की आराधना। वहां रोम में लगभग बीस लाख लोग थे, महानगरीय रोम में; अर्थात, वे गुलाम, और बाहर के उपनगरो, और इत्यादि में, लगभग बीस लाख लोग। लेकिन रोम के चारों ओर की दीवारें सात मील लम्बी थी। और उस सात मील के भीतर, ठीक पहाड़ की तलहटी पर, चार सौ पागान के मंदिर थे, पागान के देवी और देवताओं के।

85 अब, मैं यहां पर कुछ समय के लिए कुछ तो बोलना चाहता हूं, जो मैंने उन इतिहास से लिया है, और मेरे पास ठीक यहाँ पर मेरे साथ एक इतिहास है। जिस तरह से उन्होंने आराधना में प्रवेश किया, वे किस तरह से आराधना करने के लिए आए? कैसे एक पागान आराधना के लिए आया? पहली चीज जो उसने की वो मंदिर में जाकर और याजक को ढूंढा, पागान के याजक को। तब वह उसे बहुत सारे पैसो का दान देता, और फिर एक बलिदान, एक जानवर को लेता, देवता को प्रसन्न करने के लिए जिससे वह बात करने जा रहा था।

86 और कभी–कभी, एक मंदिर में, एक से अधिक विभिन्न प्रकार के देवता होते। वहां "देवता, देवी–देवता" होंगे, और बाकी की हर एक चीज, एक ही मंदिर में।

87 सो पागान का याजक... वह उस याजक के पास जाता और उसे कुछ पैसे देता, और पागान का याजक उसे वापस एक मोमबत्ती देता, बस एक साधारण वसा की बनी मोमबत्ती। और फिर उपासना करने वाले ने इस मोमबत्ती को लेते है, उसके बाद उसने याजक को भुगतान किया, इस मोमबत्ती को लेकर और इस देवता की उस नियत वेदी पर चलकर जाता

है जिससे वह बात करना चाहता था। और इस वेदी पर आग होती थी, जहां बलिदान को जलाया जाता। मूर्ति के पैरों पर, बड़ा पीतल का मंदिर, या—या मूर्ति के, और उसने इस मंदि–... इस मोमबत्ती को लेकर और इसे आग की वेदी से जलाता है, मूर्ति की वेदी की आग, वो मोमबती को जलाता और उस—उस मूर्ति के सामने उस—उस वेदी के नीचले सिरे पर जाकर, और इस मोमबत्ती को नीचे रख देता। और फिर उसके उस मोमबत्ती को वहां रखने के बाद...

88 मुझे लगता है कि यह अन्य सभी देवताओं के बीच बहुत ही विशेष देवता है वह जानता है कि उसे कौन सी मूर्ति के पास जाना चाहिए, आप जानते हैं, कि वापस आकर और उससे बात करें। क्यों मोमबत्ती, मैं नहीं जानता। लेकिन वह मोमबत्ती को नीचे रखकर, वेदी की आग को जला देता।

89 और उसके बाद वह वापस आराधनालय के फर्श पर चला जाता, और वहां वह खुद फर्श पर गिरकर दण्डवत करता। और वहां वह अपना सारा प्राण, अपनी सारी शक्ति अपनी प्रार्थना में लगा देता, और किसी प्रकार के इस बड़े देवता से प्रार्थना करता, एक विश्वास का ढोंग, एक काल्पनिक देवता, इस देवता से प्रार्थना करें कि इस मूरत में आकर और उससे बात करें।

90 इसने कहा कि "एक सम्राट अपोलोस की प्रतिमा के सामने खुद इस तरह झुक सकता है कि वह वास्तव में कह सकता है कि उसने आवाजो को आते हुए सुना उस मू–... उस—उस मूर्ति से, उससे वापस बात कर रही थी।" खुद को दंडवत कर रहा था!

91 आप इस जगह पर कहेंगे, "भाई ब्रन्हम, क्या उसने एक आवाज को सुना? " मुझे संदेह नहीं है पर उसने जो कहा, लेकिन यह एक शैतान की आवाज थी। वहां जुपिटर जैसी कोई चीज नहीं थी, एक देवता, और ये सारे दूसरे देवता जो उनके पास थे।

92 लेकिन उन्होंने अपने आप को दण्डवत कर दिया, और उन्होंने वहां गिरकर और आराधना की, इस रहस्यमयी देवता की आराधना की जिसके बारे में वे कुछ भी नहीं जानते थे, जबकि उसकी आत्मा उस मूर्ति में थी जो उन्होंने सोचा कि वह ऐसा दिखाई देता है। उन्होंने उसकी एक मूरत बनाई, और उस पर प्रसन्न हुई।

93 तब उन्होंने एक भेंट को चढ़ाया। फिर जब उसने अपने आप को इस भावना के अंदर पूरी तरह से डूब गया, वह फिर से मूर्ति के सामने जाता है और इस बार पागान के पुजारी ने उसे कुछ—कुछ खाने–पीने के लिए सामने लाया, और इसे मूर्ति के पैरों में रख दिया। और फिर... (अब, मैं... मैंने इसे यहां इस पन्ने पर लिख कर रखा हुआ है, मैं इसे ठीक से पढ़ देता हूं। देखा?) और वह इस मूर्ति के पैरो के पास जाता है, और इस पीने की चीज में से कुछ लेकर और इसका घूंट लेता है, और खाने की चीज पर जरा सा टुकड़ा खाता, और फिर इसे मूर्ति के पैरों पर डाल देता।

94 वह क्या कर रहा था? शैतानों के साथ भोज कर रहा था; शैतानों, देवी और देवताओं के साथ भोज कर रहा था। बस एक—एक प्रतिरूप छाया मसीही लोगों का मसीह के साथ प्रभु भोज करना, प्रभु भोज का खाना। यह एक प्रकार का पहली कलीसिया या सुसमाचार का पहला परदेसी (जो रोम में आया था) वहां पाया गया, जो इन लोगों में इस प्रकार की आराधना में था।

95 बाल सारे युगों का सबसे प्रसिद्ध देवता था, मूर्तियों का, वो बाल था (बी, दो बार ए, एल), वह एक सूर्य–देवता था। और तब उसकी एक—एक पत्नी थी, चांद–देवता, देवी, इश्तार, आई–एस–एच–टी–ए–आर, इश्तार। और इसका ऐसा उच्चारण भी किया जाता है, ए–एस–टी–ए–आर–टी–ई, "अस्तारटे।" यह रोम के सिक्के पर है। वह देवी कहलाती थी, चन्द्रदेवी, या "स्वर्ग की रानी, देवताओं की माता," चन्द्र–देव। और सूर्य–देवता बालिम था।

96 तो, लगभग सारे पागान ने उस सूर्य की आराधना की। यहां तक कि भारतीय लोग भी उसी चीज को कर रहे थे जब—जब हम आए, यहां अमेरिका को पाया, जब अमेरिका की स्थापना हुई थी। आये, पूर्वज यहां पर आए, उन्होंने पाया कि वे अब भी उस—उस सूर्य की आराधना कर रहे थे। क्योंकि, इसमें, उन्होंने आराधना की।

97 इसी प्रकार से वे रोम में देवी और देवताओं की आराधना कर रहे थे, जब मसीही रोम में पहुंचे।

98 अब, अपनी यात्रा में, मैंने इस बात पर ध्यान दिया कि मूर्तिपूजा नहीं बदली है। और ना ही सच्ची मसीहत बदली है। वे दोनों ही उनके स्थान को पकडे हुए है, और पकड़े रहेंगे जब तक प्रभु यीशु के आगमन नहीं हो

जाता। इस पर मैं बस थोड़ा सा बोलना चाहता हूं, जिससे आपको इसका एक विचार मिल जाए, और यदि आप आत्मिक हैं तो आप निश्चय ही इसे पकड़ लेंगे।

99 क्योंकि वह बाल सूर्य–देवता था, तो ठीक है, वे रोटियां जो बनाई गई थी... और यिर्मयाह ने यहां पर कहा, हमने कुछ समय पहले बताया था, महिलाओं ने बाल, सूर्य देवता के लिए रोटियां बनाई थीं। क्योंकि, आप थोड़ी देर के बाद आगे इस अध्याय में पाते हैं, यदि आप इसे पढ़ते हैं, जहाँ उन्होंने कहा, "यदि हम बाल की आराधना नहीं करते हैं तो हमारी फसल नष्ट हो जाती है, क्योंकि बाल उपजाऊ करने का देवता है।" दूसरे शब्दों में, "हम जानते हैं कि सूर्य फसल को बढ़ने को लगाता है।"

100 लेकिन भविष्यव्यक्ता ने उन्हें बताया, "यह इसलिए है क्योंकि तुमने परमेश्वर को छोड़ दिया है, यही कारण है कि तुम्हारी फसल नहीं बढ़ती है।"

101 लेकिन उन्होंने बाल की आराधना की, कहा कि वे उसकी आराधना करेंगे, उसे भेंट चढ़ाएंगे।

102 अब, यदि बाल एक गोलाकार देवता है... (अब, इसे शब्द दर शब्द पकडे, और आप बाकी का समझ जायेंगे, इस संदेश के अंत को।) ... वो देवता एक गोलाकार देवता था, एक सूर्य–देवता, उनके पास बड़ी–बड़ी पीतल की प्लेटे थी जो सूर्य को प्रतिबिंब करती थी और आग की तरह दिखाई देती थी। और फिर वो रोटी जो यिर्मयाह ने यहां बतायी थी कि वे... स्त्रियां बाल के लिए इन रोटियों को पकाती है, कि इसे गोल बनाया गया था जैसे सूर्य होता है। तो ठीक है, तब, इसे वेदी पर जाता था, पागान की वेदी पर, भोज के लिए, और सूर्य के समान या चन्द्रमा के समान गोलकार बनाया, क्योंकि यह सूर्य देवता या चन्द्र देवता था।

103 वो... बालीम था, जिसे हमने कहा, "ये सारे उपजाऊ का देवता है, वो हर चीज को बढ़ने के लिए लगाता है।"

104 अब, आरंभ की कलीसिया इस बात का सामना करना पड़ा जब वे रोम में आये। और इसे रोमन कलीसिया के द्वारा कहा गया और विश्वास किया गया, या आज कलीसिया के द्वारा, या रोमन कैथोलिक कलीसिया, जिसे कहा जाता है "कैथोलिक... "

105 हम सब *कैथोलिक* है। हम कैथोलिक कलीसिया है, हम प्रेरित कैथोलिक है। *कैथोलिक* का अर्थ होता है "विश्वव्यापी।" और हम प्रेरितो के विश्वास की विश्वव्यापी कलीसिया है। जी हां, श्रीमान। वहां दो कलीसियाओ के बीच एक अंतर है; उनमें से एक कैथोलिक, विश्वव्यापी, *प्रेरितिक* था; दूसरा एक *रोमन* कैथोलिक था।

106 और यह कहा गया कि पतरस... या वे इसका विश्वास करते हैं, कि पतरस ने रोमन कलीसिया को स्थापित किया। मैं वचन को चाहता हूं, मैं उस स्थान को चाहता हूं जहां आप कह सके कि पतरस कभी किसी भी स्थिति में रोम में रहा था। जैसा कि रोमन कलीसिया ने कहा, "वह वहां पर 41 से 46 तक था।"

107 और, उसी समय पर, क्लॉडियस रोम में सम्राट था, जिसने सारे यहूदियों को छोड़ने को लगाया। प्रेरितों के काम का 18वां अध्याय पढ़ें, और आप पाएंगे कि पौलुस, जब वह इफिसुस में गया, उसने वहां अक्विला और प्रिस्किल्ला को पाया, जो वास्तव में यहूदी थे, और सतावट के समय के दौरान बाहर निकाले गए थे, और वे यहां फिर से फिलिस्तीन में थे क्योंकि क्लॉडियस ने सभी यहूदियों को छोड़ कर जाने की आज्ञा दी थी, दोनों मसीही और रूढ़िवादी लोगों को। अक्विला और प्रिस्किल्ला ने रोम में कलीसिया की स्थापना की थी, और उन्हें क्लॉडियस के ऊपर आने के कारण छोड़ना पड़ा था, सारी कलीसिया को ले लेकर... मतलब मसीही लोगो और सारे यहूदियों को रोम से बाहर कर दिया गया था।

108 अब, "पतरस कलीसिया का बिशप होने पर," और मैं आपको इस पर वचन से दिखा सकता हूं, कम से कम लगभग सत्तर वर्षो तक, कि पतरस कभी भी फिलिस्तीन से बाहर नहीं गया था। ठीक वचन में! और आप कहते हैं कि "पतरस की रोम में हत्या कर दी गई थी, और पौलुस का रोम में सिर काट दिया गया था।" यही मतसिद्धांत है। मैंने सारे शहीदो के विषय में पढ़ा है जो मैं पा सकता हूं, और उनमें से एक भी ऐसा नहीं है जो पतरस या पौलुस के बारे में कुछ भी बताता हो (या तो किसी एक के लिए) रोम में मारा गया हो। आरंभिक वास्तविक शहीदो में से जो हम पढ़ सकते हैं, उनमें से कोई भी इस विषय में कुछ नहीं कहता है। वह नहीं था! यह एक मत सिद्धांत है।

109 मैं यहां पागानवाद का खुलासा करने के लिए हूं, इसलिए हम—हम

इसे प्रभु और उसके वचन की सहायता से करेंगे, देखो, बस आपको दिखाने के लिए कि कलीसिया किस तरह से है। आप "कैथोलिक!" के विषय में चिल्लाते हैं! लेकिन बस कुछ मिनट के लिए प्रतीक्षा करें।

110 अब, अब, हम पाते हैं कि अक्विला और प्रिस्किल्ला के बाद (वचन के अनुसार) रोम से बाहर निकाला गया था, छोटी कलीसिया को एक अनाथ के रूप में छोड़ दिया गया था, वे सारे वहां परिवर्तित हुए पागान के लोग थे जो रोमन मसीही कलीसिया के अंदर आए थे, वो आरंभिक कलीसिया जो कि अक्विला और प्रिस्किल्ला और एक और पति–पत्नी थे जिन्होंने इस कलीसिया को स्थापित किया था और इसे विकसित किया था।

111 तब हम पाते हैं, जैसे ही वे निकले, कि उन्होंने अपने खुद के बिशप बनाये और उनके खुद के मत–सिद्धांत को लिया, और फिर उन्होंने अपनाया... सम्राट, कॉन्स्टेंटाइन का समर्थन पाने के लिए और वे जो बाद में आए, उनका समर्थन को पाने के लिए, क्योंकि उन्हें राष्ट्र की राजनीतिक पकड़ में खड़े होने के लिए सदस्यों को वहां लाना था। वे कलीसिया के सदस्यों को लेकर आए, और उन्हें ("उचित") बस अंगीकार करने के द्वारा अंदर लेकर गये, वे परमेश्वर के बारे में उससे अधिक कुछ नहीं जानते जितना कि आज हमारे अमेरिका में रहने वाले कुछ लोग जानते हैं; बस एक पेशे के रूप में, जो कि उनके लिए मसीह को मान लेना एक बहुत बड़ी बात थी, उनके अपने देवता के अलावा ये एक और परमेश्वर है। और वहां पर उन्होंने कलीसिया के अपने संविधान में, पागान के रीति–रिवाजों को अपनाया।

112 अब, रोमन याजक, तब उन्होंने इसे अपनाया इसे लेते हुए और प्रभु भोज बनाने के द्वारा, पहली चीज जो सामने आई वह प्रभु भोज बनाना था, बजाये मसीह की देह की तरह टूटे हुए टुकड़े के, वे इसे सूर्य या चन्द्रमा की तरह *गोलकार* बनाते। और यह आज के दिन भी ये गोल है! निश्चय ही। यह अब भी गोलाकार पापड़ी है, और ना ही उसकी देह का टूटा हुआ टुकड़ा। यह गोल और चिकना होता है। रोमन याजक आज इस गोल पापड़ी को वेदी पर रखते हैं और इसे "मसीह की वास्तविक देह" कहते हैं।

113 अब, वहां इनमें से कुछ उच्च एपिस्कोपेलियन, और इत्यादि के बीच एक बड़ा गतिरोध है, और कैथोलिक कलीसिया उस सोच–विचार पर है, क्या यह *वास्तविक* देह है या यह देह का *प्रतिनिधित्व* करती है। रोमन कैथोलिक

कहता है, "यह वास्तविक देह है," क्योंकि यह बाल की वास्तविक देह थी (वो सूर्य देवता) जिसने खुद को उस पीतल के टुकड़े पर प्रतिबिंबित किया और उन्होंने इसे गोलकार बनाया। किसी भी मसीही मेज पर गोलकार रोटी नहीं होती है!

114 तब वे पूर्व की ओर मुंह करना चाहते थे, और आदि–आदि, जैसे उन्होंने पागान की आराधना में किया; और स्त्रियों को अंदर लाते हैं, और आदि–आदि, ठीक जैसा कि उन्होंने हमेशा ही किया है, जैसे कि पागान देवी और इत्यादि के लिए करते है। अब उन्होंने बस अस्तारटे को नीचे उतार कर और मरियम को ऊपर रख दिया, उसे स्वर्ग की रानी बनाया। उन्होंने जुपिटर को नीचे उतार कर और पतरस को ऊपर रख दिया। और उन्हें एक मत सिद्धांत को लेना था, कि ऐसा करने के लिए उनके पास...

115 जब अक्विला और प्रिस्किल्ला वापस लौटे, क्लौदियुस के राज्य के तेरह वर्षो के बाद, फिर जब वे वापस लौटे तो उन्होंने पाया कि उनकी कलीसिया पूरी तरह से मूर्तिपूजा के लिए समर्पित हो गयी है, लेकिन बढ़कर एक विशाल बड़ी चीज हो गयी थी।

116 इन चीजों को अंदर लाने के लिए, उन्होंने अवश्य ही पूरी तरह से बाईबल को निकाल दिया होगा। अब, मैं एक आयरिश हूं, मेरे पास जिसे वे *हमारे विश्वास के सच्चाई* कहकर बुलाते हैं, जिसका केवल एक याजक से संबंध होता है, और इत्यादि। और मैं यह जानता हूं, याजको के साथ इंटरव्यू के समय, याजक आपसे बाईबल पर बहस नहीं करेगा, बाईबल उसके लिए बस दूसरी किताब है। जब इसे यहाँ पर बिशप शीन ने कहा, यहाँ पर लगभग दो वर्ष पहले, कि "कोई भी जिसने बाईबल पर विश्वास करने की कोशिश की, तो यह कीचड़ से भरे जल में से होकर चलने के समान था।" वे इसका विश्वास नहीं करते! उन्होंने वहां आरंभ किया और उन्होंने कहा, "परमेश्वर उसकी कलीसिया में है, ना ही उसके वचन में।"

117 यह याजक यहां रास्ते पर था, जो हाल ही में इंटरव्यू के लिए आया था, यहां सेक्रेड हार्ट में, उसने मुझसे कहा... या यह कलीसिया की सड़क पर, मैं भूल गया कि यह कौन सी बात है। मैं सोचता हूं इसे सेक्रेड हार्ट कहा जाता है। वह मेरे पास बपतिस्मे के विषय में बात करने आया, मरियम एलिजाबेथ फ्रेजियर जो पिछड़ गयी थी और वो कैथोलिक बन गयी। उसने कहा, "क्या आपने उसे बपतिस्मा दिया? "

मैंने कहा, "जी हां।"

कहा, "आपने उसे कैसे बपतिस्मा दिया? "

मैंने कहा, "मसीही बपतिस्मे में।"

उसने कहा, "आपका उस तरह से क्या मतलब है? "

मैंने कहा, "केवल एक ही मसीही बपतिस्मा है।"

उसने कहा, "आपका क्या मतलब है, डुबकी देने के द्वारा? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

118 उसने कहा, "आपने उसे 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा' के नाम में डुबकी दी? "

119 मैंने कहा, "ऐसा तो मसीही बपतिस्मा नहीं है।" मैंने कहा, "मसीही बपतिस्मा प्रभु यीशु मसीह के नाम में डूबा कर होता है।"

120 उसने इसे लिख कर रखा। उसने कहा, "क्या आप यह शपथ खाएंगे, या, इस वर्णन को बिशप के लिए करेंगे? "

121 मैंने कहा, "यदि वह मेरे शब्द का विश्वास नहीं कर सकता है, तो उसे इसके बिना ही रहने दो।" मैंने कहा, "मैं किसी भी चीज की शपथ नहीं लेता।" देखा? और उसने कहा... और मैंने कहा, "श्रीमान, अहंकारी नहीं होना है, लेकिन मैं जानता हूं कि बाईबल ने कहा, 'आकाश की या धरती की शपथ मत लेना, क्योंकि यह उसके पैरों की चौकी है,' और आदि–आदि। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए।"

122 उसने कहा, "विचित्र सी बात है, कैथोलिक कलीसिया इस तरह से बपतिस्मा दिया करती थी।"

मैंने कहा, "कब? कब? " देखा? लेकिन वे कहते हैं कि उन्होंने ऐसा किया।

123 क्योंकि, साफ साफ कहूं तो, उन्होंने दिया था, और हम सब आरंभ में एक थे, और मूल उस पेंटीकोस्ट से आया है। यही पहली कलीसिया का आरंभ है, कहीं भी, कोई भी इस विषय में बात कर सकता है। मसीही कलीसिया पेंटीकोस्टल से आरंभ होती है, एक पेंटीकोस्टल अनुभव के साथ, पेंटीकोस्टल लोग, पेंटीकोस्टल बपतिस्मे के साथ आरंभ हुई। सारे पेंटीकोस्ट पर मूल कलीसिया से आये है।

124 अब, ध्यान दें। अब, हम तब पाते हैं कि उन्हें बाईबल की शिक्षा से दूर होना था जिससे कि इन चीजों को लेकर आये ताकि सम्राट और इत्यादि को खुश कर सके।

125 अब, देखो। पतरस एक यहूदी था। क्या यह सही बात है? क्या आप ऐसी कल्पना कर सकते हैं कि संत पतरस एक कलीसिया में मूर्तियों को लगाने के विचार को अपना रहा हैं, एक यहूदी जिसे यहाँ तक मूर्ति की ओर देखने के लिए भी मना किया गया था? क्या आप ऐसी कल्पना कर सकते हैं कि वह इस तरह के काम को कर रहा है? ना ही पतरस! क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि वह कह रहा है, "मेरे लेख जो वहां पहले आरंभ में लिखे थे सारे गलत है, मैं उन्हें अभी उठाकर फेंक दूंगा। मैं इस रोमन कलीसिया में एक आत्मा के रूप में जियुंगा, और मैं अपनाने जा रहा हूं... "?

126 खैर, यह तो एक बदला हुआ मनुष्य होगा। इसलिए, ऐसा करने के लिए, उन्हें एक मत सिद्धांत को आरंभ करना था कि "पतरस को कलीसिया में दफनाया गया था और सारी आज्ञाओ को उनके पास छोड़ कर गया था, और वे मूल कैथोलिक कलीसिया है।" पर वे नहीं है! वहां पर कोई वचन नहीं है, ना ही कोई इतिहास है ना ही इसे साबित करने के लिए कुछ भी है; एक चीज भी नहीं। वे नहीं थे।

127 और पहले रोमन कलीसिया का वो पागान याजक बिल्कुल ठीक वैसा ही है जैसा की आज है। वे विश्वास करते हैं कि वह रोटी मसीह की देह है, कि किसी तरह से मसीह नीचे आता है और वेदी पर रखी हुई रोटी के टुकड़े के अंदर छलांग लगाता है (जिसे चूहे रात भर में उठा कर ले जायेंगे)। देखा? विश्वास... और यही कारण है कि कैथोलिक विश्वास करते हैं कि आपको आराधना करने के लिए कलीसिया में अवश्य ही जाना चाहिए, क्योंकि "परमेश्वर उस कलीसिया में है।" यही कारण है कि वे झुकते हैं और कलीसिया के पास आकर अपने आप पर क्रूस का चिन्ह बनाते हैं, क्योंकि "वो रोटी का टुकड़ा परमेश्वर है।" यह कुछ भी नहीं सिवाये एक बालाम के सूर्य देवता का प्रतिनिधित्व है, इसके लिए बिल्कुल कोई भी वचन नहीं है! जी हाँ, वह गोलाकार रोटी वेदी पर रखी हुई है।

128 अब, इसलिए, उन्होंने मसीही शिक्षा को स्वीकार नहीं किया कि इरेनियस, पोलीकार्प, और वे पहले के भाई लोग, पौलुस... हम पाते हैं,

सबसे पुराना चेला जो था... जो सबसे लंबे समय तक जीया, वह यूहन्ना था। वह तीन वर्ष के लिए पतमुस टापू पर बंधुआई में था, क्योंकि उसके पास एक विद्यालय था। वह परमेश्वर के वचन को फैला रहा था या तैयार कर रहा था, इसे एक साथ रख रहा था, पत्रियों को एक साथ कर रहा था। उन्होंने उसे और उसके विद्वानों को ऐसा करते हुए पाया, और उन्होंने उसे तीन वर्षों के लिए बहिष्कृत कर दिया (सम्राट की मृत्यु के बाद उसे वापस लाया गया था), और फिर उसने प्रकाशितवाक्य की किताब को लिखा।

129 और वे "परमेश्वर अपनी कलीसिया में या परमेश्वर अपने वचन में है" के विषय में बात करते है? " बाईबल ने कहा कि वचन परमेश्वर है।

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा रहा,...

130 इसके अलावा, किसी भी कलीसिया की कोई भी शिक्षा, चाहे वो बैपटिस्ट होने दो, प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, पेंटीकोस्टल होने दो, या जो कुछ भी हो सकता है, जो इस बाईबल के साथ शब्द दर शब्द नहीं बने रहता है, वो गलत है! क्योंकि यूहन्ना ने पतमुस टापू में कहा, पवित्र आत्मा, या मसीह उससे बात कर रहा है, यह कहा, "यदि कोई मनुष्य इसमें से कुछ भी निकालेगा या इसमें कुछ भी मिलाएगा... " तो भला आप कैसे इन पागान की मूर्ति–पूजा के प्रतीकों को जोड़ने जा रहे हैं, एक से तीन देवता बना रहे है, और ये सारे अन्य पागान के कार्य जो आरंभिक कलीसिया ने इसे कभी भी नहीं सिखाया और वे इसके विरोध में थे?

131 निसियन परिषद, क्या वो तीन अस्तित्व था या एक अस्तित्व, बड़ी बहस हुई, वे शहीद वहां पर आए, उनमें से कुछ के साथ—साथ... एक व्यक्ति, वो—वो बिशप, पेंटीकोस्टल के प्रचारक, बीमारों पर हाथ रखने के लिए, उन्होंने उसके हाथो में आर–पार एक गर्म छड़ी डाल देते और उसके हाथों को *इस* तरह से पीछे खींच लेते। दूसरे, जो खड़े रहते, जहां पर वे तलवार को लेकर और उसकी आंखों को बाहर निकाल देते, ऐसा दिखाई देता एक शहीदों के झुण्ड है जो इस वचन के लिए खड़े हुए थे! हाल्लेलुय्या! उन्होंने अपने लहू को पुराने समय भविष्यवक्ताओं के साथ मिला दिया। यह वचन, भाई, यह परमेश्वर का वचन है।

132 जब ये पागान के लोग परिवर्तित हुए थे, तो वे इन प्रतीकों को मसीहत

के अंदर लाए। वे अब बाईबल का उपयोग नहीं कर सकते, क्योंकि बाईबल इसे बेनकाब करती है। और वे आज आपको ठीक–ठीक बता देंगे कि उनके पास नहीं... वे इसका विश्वास नहीं करते हैं। वे कहते हैं, "यह ठीक बात है, लेकिन कलीसिया के सर्वोच्च शब्द होते है।"

133 तो, हम पेंटीकोस्ट में भी इसी बात को पाते हैं। "कैथोलिक," के विषय में ना चिल्लाये, जब कि हम बस उतने ही दोषी हैं, जितना मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और उनमें से हर एक है।

134 आप मेथोडिस्ट, इतने पवित्र बनते हो, तो फिर आपने जोसफ स्मिथ को क्यों मारा? यह अमेरिका है और आराधना करने का अधिकार है। मैं विश्वास नहीं करता कि जोसफ स्मिथ ने जो कहा, लेकिन आपके पास उसे मारने का कोई अधिकार नहीं था, मॉरमन को, सही बात है।

135 आप बैपटिस्टों, आपने कितनों को ढक दिया है? बाकी आपमें से कितने को?

136 और पेंटीकोस्ट, बस उन बाकी के जैसे ही दोषी है, एक पुराने रूढ़िवादी व्यक्ति बनते और ढोंगीयों का झुंड है। और बजाये नम्रता और आत्मा की सामर्थ के, आपके पास बिना आत्मा का वचन है। और यदि आप बाकी लोगों की तरह होते तो आप उससे कहीं अधिक नुकसान करते। पहले उनके पागान के समारोहों में, सभी प्रकार के त्रिएकता के विचारो के साथ, और यह सारी अन्य बेकार की चीजें, आप इसे वचन के द्वारा साबित नहीं कर सकते। वचन इसके विपरीत है। कितनी दयनीय बात है, कितनी दयनीय बात है!

137 सो जब उन्होंने रोम की पहली कलीसिया बनाई, मसीहत, उन्हें बाईबल को हटाना था; और ताकि इन समारोहों को ले सके, ऐसा करने के लिए, उनके पास किसी प्रकार की बुनियाद होनी चाहिए, इसलिए उन्होंने कहा, "पतरस रोम का पहला पोप था। और वह अब भी उसी तरह से बना हुआ है," वे कहते हैं। तो ठीक है, आइए समझ लो हम कहे कि वह था, क्या पतरस पेंटीकोस्ट के शब्दों पर पीछे हटेगा? क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक यहूदी मूर्तियों को स्थापित कर रहा है?

138 और जबकि मैं आपको बाईबल में से लिखित वचन के द्वारा साबित कर सकता हूं, ठीक उन दिनो और वर्षो को, कि पतरस ने कभी भी फिलिस्तीन को नहीं छोड़ा, लेकिन एक बार (और फरात नदी के पास बाबुल को चला

गया), रोम में कभी नहीं था, वचनों के द्वारा, **यहोवा यों कहता है**! यह सब पागान का विचार है।

अब हम इसे ठीक प्रोटेस्टेंटवाद के अंदर लाने जा रहे हैं।

139 पेंटीकोस्ट की ओर देखे, बिना वचन को लिए हुए। उस वचन के साथ बने रहे और आप हमेशा ही सही होते है; उस वचन से हटना, आप कहीं भी चले जायेंगे।

140 यहाँ कुछ समय पहले एक बड़े पेंटीकोस्टल स्कूल के साथ एक बड़ी सभा में, एक महिला उछल पड़ी, अन्य जुबान में बोल रही थी, और वेदी की पुकार में रुकावट को लेकर आई। और उस रात जब मैं वापस अंदर आया, बिली ने मुझसे वहां भेंट की, उसने कहा, "आप जानते हो क्या? उस महिला ने कहा कि उसके पास आज रात एक और संदेश था जो वह देने जा रही थी।"

141 और मैंने महिला की ओर देखा, कटे हुए बाल, एक बहुत ही बदन से चिपके हुए पहने हुये दिखाई दी जैसे वह उन कपड़ो में उंडेल दी गई हो, वहां बैठी हुई अपने बालों को ठीक कर रही थी, उसके मोज़े को खींच रही थी, मैं जानता था कि वह छलांग लगाने जा रही थी। और वह उछल पड़ी, और मैंने कहा, "बैठ जाओ।" उसने बस करना जारी रखा। मैंने कहा, "क्या आप मुझे सुन रही है? बैठ जाओ!" ओह, प्रभु।

142 जब मैं उस रात को बाहर गया, तो वहां उसके साथ चार या पांच लोग थे जो मुझे वहां पर मिले, कहा, "आपने आत्मा को शोकित किया।"

143 मैंने कहा, "कोई भी आत्मा जिसे मैं परमेश्वर के वचन से शोकित करता हूं, उसे शोकित होना चाहिए।" मैंने कहा, "क्या बाईबल नहीं कहती है कि भविष्यवक्ताओं की आत्मा भविष्यद्वक्ता के अधीन होती है? यदि वह गवाही दे रही है, तो कौन सी भविष्यवाणी है—है... अन्य जुबान में बोलना भविष्यवाणी होती है यदि इसका अनुवाद किया जाता है।" मैंने कहा, "तब उसे मेरे सन्देश समाप्त करने तक प्रतीक्षा करना है, उसके बाद वह इसे कर सकती है।"

उसने कहा, "लेकिन आप तो वचन की ही शिक्षा दे रहे हो।"

मैंने कहा, "यही है जिस का मैं समर्थन कर रहा हूं।"

144 उसने कहा, "उसके पास स्वर्ग से कुछ तो ताजा और नया था, जो उससे कुछ भिन्न था।" यदि यह रोमन कैथोलिकवाद की वापसी नहीं है तो मैं नहीं जानता कि यह क्या है!

145 हर एक मनुष्य का वचन झूठा और हर एक आत्मा झूठी, और परमेश्वर का वचन सच्चा ठहरे। परमेश्वर का वचन पहले है!

146 आज की जो परेशानी है, उनके पास बहुत सारे प्रकाशन और झूठी बातें हैं। यह वहां स्वयं को दंडवत करते है और अपने ह्रदय को शैतानों के लिए खोल रहे है, बजाये इसके कि परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे। यही है जहां पर परेशानी बनी हुई है, यही वो मामला है। लोग, ईमानदार, सच्चे, अच्छे लोग है, लेकिन आप उन्हें नहीं बता सकते। "खैर, हम *इसका* पेंटीकोस्टल लोगों के रूप में विश्वास करते हैं।" "हम *इसका* विश्वास करते हैं, बैपटिस्ट लोगों के रूप में।"

147 मैं इसका विश्वास करता हूं क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है! मैं किसी को भी चुनौती देता हूं कि मुझे इस में सुधार करे। देखा? यह सही है। यह वचन है! इसके साथ बने रहे, यह सच्चाई है!

148 सो उन्होंने पहली कलीसिया बनाई, पहली रोमन कैथोलिक कलीसिया। और बजाये उसे बुलाने के... उसे *बिशप* कहने के, जिसे वे हमेशा ही ऐसा बुलाते थे, अब वे उसे "फादर" कहते हैं। वे अब भी ऐसे ही बुलाते हैं। और वे यहां कहते हैं, "आपको इसे स्वीकार करना होगा, कि यह पापड़ी मसीह की देह है। और, अब तक, याजक एक ईश्वर है, क्योंकि परमेश्वर याजक की आवाज को सुनने के लिए बाध्य है जो इस पापड़ी को मसीह की वास्तविक देह में बदल देता है।" और फिर चतुर मनुष्य इसे अपने गले से नीचे उतार देते हैं! ओह, प्रभु! ओह, कैसे...

149 लेकिन सच्चे आराधना करने वाले, सच्चे बिशप, वचन के साथ बने रहते है। वे ठीक वहां उस निसियन परिषद में बने रहे, उन्होंने उस वचन को ठीक वहां पर पकडे रखा। जी हां, श्रीमान। वे शहीदों की तरह आये, बाकी सब कुछ, पर वे उस वचन के साथ बने रहे। वे मूर्तिपूजा को बिल्कुल भी नहीं चाहते थे।

150 और मैं चाहता हूं कि कोई तो मुझे दिखाए कि जहाँ संत पैट्रिक कभी रोमन कैथोलिक था। वहां ऐसी कोई बात ही नहीं है! उसने तो उस रोमन कलीसिया का विरोध किया। वह संत मार्टिन का भतीजा था। मैं यहां पढ़ रहा

था, इसमें... एक महिला जिसने लिखा... हेजलटाइन, श्रीमती हेजलटाइन, *निसियन परिषद के कुछ अंश,* उसने कहा कि वह उस कार्ड को लेने के लिए ऑक्सफ़ोर्ड में गई थी, उस—उस कार्ड को लेने के लिए, *संत मार्टिन की जीवन कहानी,* और इस व्यक्ति ने कहा, "लेकिन उसे रोमन कलीसिया के द्वारा संत घोषित नहीं किया गया था।" निश्चय ही नहीं, उसने इस बात का विरोध किया! और वैसे ही संत पैट्रिक के साथ हुआ। वह मनुष्य जो परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा, उनके अपने विद्यालय बनाए, वे उन प्रकार की चीजों से दूर हो गए।

151 अब, हम पाते हैं, ऐसा ही आज है। रोमन कलीसिया ठीक उनके उसी गोलाकार बिस्कुट के साथ जारी रखा है, यह विश्वास करते हुए कि मसीह नीचे आकर और इसमें चला जाता है। और, सुनना, क्या आप जानते हैं कि याजक दाखरस को पीता है? (जब, उन्हें इसे एक दूसरे के साथ लेना होता हैं, "वो प्याले को एक से दूसरे के पास देता है।") लेकिन, मूर्तिपूजक के रूप में, याजक दाखरस को पीते हैं। देखा? आप अब भी... यह सब मूर्तिपूजा है! बिल्कुल ठीक। वे परवाह नहीं करते।

152 वे आपको बताते हैं, "मैं आपसे बाईबल के विषय में बात नहीं करूंगा।" उस सेवक, या याजक ने मुझसे वहां पर कहा, कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, आप बाईबल के बारे में बात करने का प्रयत्न कर रहे हैं, मैं एक कलीसिया के बारे में बात कर रहा हूं।"

मैंने कहा, "परमेश्वर वचन है!" सही है। अब, तो ठीक है।

153 हम इसमें, आज के दिन भी पाते हैं, यही कारण है कि रोमन कैथोलिक कलीसिया को आराधना करने के लिए कलीसिया जाना पड़ता है। उन्हें सिखाया जाता है कि "परमेश्वर इस गोल पापडी में है, मेजबान आराधनालय में है।" समझे? क्या आप नहीं देख सकते कि यह पागान है? निश्चय ही, ऐसा ही है।

154 क्या आप नहीं देख सकते हैं कि लोग जो कुछ भी—कुछ भी इस वचन के विरोध में अपनाते हैं, उसी तरह का संगठन है? क्या बाईबल प्रकाशितवाक्य 17 में, कैथोलिक कलीसिया को "वेश्या" नहीं कहती है? क्या इसने प्रोटेस्टेंट को माँ नहीं कहा... कि वह "वेश्याओ की माँ" थी? वही बात! वह अपने व्यभिचार के घृणित काम की गंदगी के प्याले में से शिक्षा को देती है, गंदगी और मलिनता, केवल मनुष्य का एकत्र किया गया,

बजाये जीवित परमेश्वर के वचन के जो कि सच्चा और बिना मिलावट का है।

"हे परमेश्वर, हम पर दया करें," ये मेरी प्रार्थना है।

155 इरेनियस ने कहा, मैंने यहाँ एक टिप्पणी को लिख कर रखा है जो उसने कहा, कहा, "परमेश्वर का वचन सुंदर बड़े–बड़े रत्नों के एक अच्छे समूह के समान है जिसे वहां पर रखा गया था ताकि एक महान सामर्थी राजा की मूर्ति को बनाये। लेकिन," कहा, "मत–सिद्धांत, संस्थाए, संप्रदाय, उन सुंदर रत्नों को लेकर और उसमें से कुत्ते का आकार बनाते है, और वचन के अज्ञानी को भरमा देते है। ऐसा वे परमेश्वर के मार्ग को दूषित करने के लिए करते हैं और इस पर निन्दा लाने के लिए करते हैं।" हाल्लेलुय्या!

156 जब आप परमेश्वर के वचन को अपने संगठन के अनुकूल कुछ तो कहने का प्रयास करते हैं, आप उस महान राजा के शरीर में से रत्नों को निकाल रहे हैं और कुत्ते की एक छवि को बना रहे हैं, या एक लोमड़ी की, या एक सूअर की, या उसमें से कुछ तो। और आप वचन के अज्ञानी को भरमाते है।

157 हाल्लेलुय्या! कुछ ऐसे हैं जिनके पास परमेश्वर का आत्मा है, जो देहधारी वचन के लिए खड़े होते है। (परमेश्वर, हमारे दर्जो को बढाता है।) वचन, वचन के अलावा कुछ नहीं! उस वचन को ले जहां यीशु ने वहां पर कहा, "सारा आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।"

158 जहां इसने कहा, "प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दो"; वे "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," इसमें से तीन देवता को बनाते हैं। वे सब प्रकार के सिद्धांत को लेते है, और हर एक प्रकार की चीजों को बनाते है, और जल में डूबाने के बजाये जल का छिड़काव करते है। हर एक चीज! इसमें से किसी प्रकार का मनुष्य का निर्मित कीचड़ का गड्ढा बनाते है, बजाये इसके कि इसमें रत्न को डाले, उस महान राजा, मसीह में।

ओह, हाल्लेलुय्या! यही तो देहधारी परमेश्वर है, मसीह!

159 वे परमेश्वर के मार्ग को दूषित करते हैं। लोगों को कलीसिया में आने देते है, स्त्रियां कटे हुए बालों के साथ, श्रृंगार को किये हुए, ऐसे कपड़े पहने हुए जो लज़ाजनक दिखाई पड़ते हैं। पुरुष इतने कायर हो गये हैं, कि एक स्त्री उन्हें कान पकड़कर यहाँ–वहां घुमाती है। कलीसिया में आते हैं, और बंको और बिंगो संगीत बजाते हैं, और सभी प्रकार की भ्रष्ट चीजें करते हैं।

और प्रचारक और आदि–आदि वहां समुंद्र तट पर, नग्न महिलाओं के साथ, जो नहाने की वस्त्र पहने हुए और तैरने जाते है, सिगरेट पीते हैं, और खुद को "परमेश्वर के दास" कहते हैं; जबकि यह मंदिर परमेश्वर को समर्पित एक पवित्र मंदिर है, ना कि संसार की गंदगी के लिए। यह सच है। लेकिन उन्होंने परमेश्वर के रत्नों को लिया और उसमें से एक सूअर को बनाया, या एक लोमड़ी को, या एक कुत्ता, या एक प्रकार की बिल्ली, या ऐसा ही कुछ तो, और इसे अनपढ़, अशिक्षित को खिलाते है।

160 धन्यवाद, डॉक्. मेरे पास यहां एक बात थी लेकिन मैंने इसे इस्तेमाल करने के बारे में नहीं सोचा था, एक रूमाल।

जी हां, यही है जो वे करते हैं। इरेनियस बिल्कुल—बिल्कुल सही था।

161 परमेश्वर इस सब के विषय में क्या सोचता है? क्या यह उसी तरह से ही है जैसा उन्होंने कहने की कोशिश की है, "ओह, यह उसके लिए कोई मायने नहीं रखता"? यह उसके लिए मायने रखता है! यह मायने रखता है।

162 उसने यिर्मयाह को उन बातों को क्यों बताया जो उसने उस समय की थी? उसने ऐसा क्यों कहा? यह मायने रखता है। परमेश्वर के पास एक मार्ग है।

163 क्या हो यदि मूसा ने कहा होता, "मैं अपने जूतों की बजाये अपनी टोपी उतार दूं"? वो दर्शन को कभी नहीं देख पाता। आपको परमेश्वर के मार्ग पर आना ही है। परमेश्वर के पास एक मार्ग है।

164 वहां बहुत कुछ है जो हम कह सकते हैं। आइए यहाँ केवल एक वचन की ओर जाये। मैंने उनमें से बहुत से वचनों को लिख कर रखा है। आइए हम गिनती 25 को देखें, बस एक मिनट। गिनती 25, हम देखेंगे कि क्या यह—यह परमेश्वर के लिए कुछ भी मायने रखता है, या नहीं। आइए देखें कि क्या यह रखता है, क्या ये संस्थाए, मत–सिद्धांत (और आदि–आदि) मायने रखता है। "वह एक भला परमेश्वर है, वह सारी बातों को अनदेखा कर देता है।" वह नहीं देखता! वह एक रेखा को डालता है और एक सीधी रेखा को खींचता है, और आपको उस तक आना होता है।

और इस्त्राएली शित्तीम में रहते थे, और लोग मोआबी लड़कियों के संग कुकर्म करने लगे।

(सुनना!)

और जब उन स्त्रीयों ने उन लोगों को अपने देवताओं के बलिदानों *में नेवता दिया: तब वे लोग खाकर उनके देवताओं को दण्डवत करने लगे।*

तब यों इस्त्राएली बाल–पोर देवता को पूजने लगे: तब यहोवा का कोप इस्त्राएल पर भड़क उठा। (कोई आश्चर्य नहीं कि उसने कहा, "इस प्रकार के लोगों के लिए प्रार्थना मत करो"! हुंह?)

और यहोवा ने मूसा से कहा, प्रजा के सब प्रधानों को पकड़कर, और यहोवा के लिये सूर्य के सामने लटका दे, जिस से मेरा भड़का हुआ कोप इस्त्राएल के ऊपर से दूर हो जाए।

तब मूसा ने इस्त्राएली न्यायियों से कहा, तुम्हारे जो–जो आदमी... *बालपोर के संग मिल गए हैं उन्हें घात करो।*

165 "उनमें से हर एक को घात कर दो!" परमेश्वर, परमेश्वर होना चाहता है, और यदि वह परमेश्वर नहीं है तो वह दूसरे स्थान पर नहीं होगा। उसे बाल को नहीं छोड़ना है (और कुछ मनुष्य के बनाये हुए मत–सिद्धांत, और किसी मनुष्य की कुछ शिक्षायें, या किसी संस्था का कोई विचार, या एक संप्रदाय का—का कोई विचार) उसके मार्ग में आड़े आता है, वह परमेश्वर है और वह इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को खड़ा करने में सक्षम है। उसके पास आपके संप्रदायो के होने की आवश्यकता नहीं है। उसके पास आपके बड़े–बड़े समाज और आपके विद्यालय और चीजों के होने की आवश्यकता नहीं है। वह उसे लेता है जो वह उसके हाथ में ले सकता है, जो कुछ भी नहीं है, इसमें जीवन की सांस को फूंकता है और यह कुछ ऐसा बन जाता है जो उसकी सेवा करेगा। यही है जो उसे परमेश्वर बनाता है। निश्चय ही, यह परमेश्वर के लिए मायने रखता है।

आप कहते हैं, "ये कोई मायने नहीं रखता।" यह मायने रखता है! निश्चय ही, यह मायने रखता है।

166 पोप लियो द ग्रेट, उसने 440 से 461 तक राज्य किया। ओह, उसने सोचा कि वह बिल्कुल ठीक वही कर रहा है जो सही है, कलीसिया में आया... उससे पहले वहां पर विक्टर था, और वह भी एक चूहा था। और वह वहां पर आया, और किस तरह से उसने मसीही लोगों को मृत्यु के लिए डाल दिया और हर एक चीज को किया।

167 और फिर किसने यह सब आरंभ किया, इसे "वैध" हत्या बताते हुए? आप जानते हैं यह कौन था? हिप्पो का संत ऑगस्टाइन, बिल्कुल यही है जिसने इसे किया।

168 संत ऑगस्टाइन को एक बार एक मौका मिला था, इसलिए इतिहास बताता है, कि एक महान मनुष्य बन गया और पवित्र आत्मा से भर गया। वह वहां कार्य स्थल के पीछे ल्योन, फ्रांस में बैठा हुआ है, उस बड़े विद्यालय में जहां इरेनियस ने शिक्षा दी थी, और वे और संत मार्टिन। वह इस विद्यालय के आंगन में बैठा हुआ था और पवित्र आत्मा उसके पास आया, लेकिन उसने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

169 तब वह क्या बन गया? एक दो गुना अधोलोक की संतान, जितना वह शुरू में था, उससे कहीं अधिक, वह सीधे हिप्पो, अफ्रीका में चला गया, वहां उसने अपना विद्यालय स्थापित किया। और ऐसा था...

"मुझे दिखाओ!"

170 मैं आपको इतिहास में ले बता सकता हूं। यही वो एक था जिसने इस बात के लिए अपने शब्द से मंजूरी दी थी, कि "किसी भी उस धर्म विरोधी को मार डालना ठीक है, जो रोमन कलीसिया के मत–सिद्धांतों से असहमत होंगा," हिप्पो का संत ऑगस्टाइन। क्या यहां कोई बाईबल का विद्वान है, या कोई है जो इतिहास को पढ़ता है, जानता है कि यह सच है, अपना हाथ उठाये? हाँ, देखा? निश्चय ही वे जानते हैं। हिप्पो के संत ऑगस्टाइन, वही वो एक था जिसने फैसला सुनाया था कि "धर्म विरोधी को मार डालना ठीक था जो रोमन कलीसिया से असहमत थे।" वे पागान की शिक्षा को मंजूरी देते है, जो बाईबल से दूर ले जाती है, और एक सूर्य–देवता की आराधना को स्थापित करता है। आप जानते हैं कि वो कारण कि जो मसीहत है...

171 आप जानते हैं कि आपको क्रिसमस कहां से मिला? मसीह का जन्म अप्रैल में हुआ था, लेकिन उन्होंने क्या किया? सौर मंडल अब धीमा होता जा रहा है जैसे–जैसे यह दूर होता जा रहा है, हर एक दिन थोड़ा लंबा होता जा रहा है, या थोड़ा छोटा होता जा रहा है, और जरा सा छोटा, और बीस तारीख से पच्चीस तारीख तक जब सूर्य देवता इसका जन्म दिन था। बस वहां लगभग पांच दिन होते है, यही है जब उनके पास उस समय में रोमन सर्कस था, उस समय पर सूर्य–देवता के जन्मदिन का समारोह होता था। और अब आप देखते हैं कि आपको अब क्या मिला है? उन्होंने कहा,

"इसे 'सूर्य–देवता' बनाते है, आइए हम इसे 'परमेश्वर का पुत्र' करके ले लें।" और सारा मामला आरंभ से ही पागान का है! और सड़कों पर लोग अपनी ऊँची एड़ी के जूते पहने हुए होते है, और वे सड़कों पर इधर–उधर घूमते हैं, और दुकानों में भागते फिरते हैं।

172 और यहाँ एक दिन मेरी पत्नी मुझे बता रही थी, "किसी ने कहा, 'मैं नहीं जानती कि पिताजी के लिए क्या लूं।' कहा, 'तुम्हारा भाई उनके लिए एक चौथाई बोतल विस्की लेकर जाने वाला है,' और दूसरे वाले ने कहा कि वह उनके लिए कुछ शैंपेन लेकर जाने वाला है। और एक ने कहा, 'तो ठीक है, मैं उनके एक—एक जुआ खेलने का सामान लुंगा।'" क्रिसमस का समारोह, पागान, शैतान की आराधना! तो ठीक है।

173 लेकिन ऑगस्टाइन ने इसकी मंजूरी दे दी। यदि आप इसका उल्लेख श्मकर के लेख में से करना चाहते हैं, श्मकर का लेख, एस–सी–एच–एम्–यू–सी–के–ई–आर–एस, श्मुकर का *महिमामय सुधारक*, यहाँ पर जो लिखा गया है, कि "जब से हिप्पो के संत ऑगस्टाइन ने कैथोलिक कलीसिया को यह फैसला सुनाया, इसने उनके लिए दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए ताकि वे जिसे चाहें उसे मार सकें, जो उस पागान की कलीसिया का इन्कार करता है। और संत ऑगस्टाइन के समय से, मसीह के लगभग तीन सौ वर्ष बाद, 1850 तक, आयरलैंड का बड़ी सामूहिक हत्या, कैथोलिक कलीसिया के द्वारा की गयी जहाँ आठ करोड़ साठ लाख प्रोटेस्टेंट मारे गए थे।" यह रोमन शहीदो के इतिहास में है, आठ करोड़ साठ लाख। अब इतिहासकार के साथ वाद–विवाद करे, यही वो एक है जिसने ऐसा कहा है। मैं बस उसके शब्दों को दोहरा रहा हूं। "हर कोई जो कैथोलिक मत से असहमत होता है!"

174 ना ही *कैथोलिक*, शब्द कैथोलिक, वे—वे उस नाम के योग्य नहीं है। वे तो रोमन पागान हैं।

175 ना ही वे बहुमूल्य लोग। वहां पर दसो हज़ार लोग है, बस उतने ही सच्चे है जैसे वे... कोई भी अन्य मूर्तिपूजक होते है। वे सोचते हैं कि वे परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं, जब कि (वापस वचन पर देखे) वे एक मूर्ति में हैं जहाँ हर जगह मूर्तियाँ हैं। देखा!

176 तो ठीक है, यह एक मत–... मत–सिद्धांत, रोमन मत–सिद्धांत था। और, सुनना, मैं यहां पर कुछ कहना चाहता हूं। मैं उससे आगे निकल चूका

था।

177 1640 के वर्ष में, 1640 के वर्ष में, जब आयरलैंड में हत्या करना आरम्भ हुआ, रोमन न्यायविद कानून और याजको के नीचे, एक लाख संत पैट्रिक के द्वारा मत परिवर्तन लोगों को मार डाला गया था। यदि संत पैट्रिक एक रोमन कैथोलिक था, तो फिर वो अपने ही लोगों को क्यों मारेगा? वे कारखाने में काम करने वाले लोग थे, और सब कुछ। यह सही बात है। "एक लाख लोग," शहीदो की तिथि पर है, "जिसे उन्होंने मार डाला क्योंकि वे शिक्षा से असहमत थे।"

178 मैं उत्तरी आयरलैंड के कुछ संत पैट्रिक कलीसियाओ में गया हूं। जी हां, श्रीमान। मुझे यह देखने का सौभाग्य मिला। यह बस एक बड़ा पुराना ढांचा था। उनके पास खड़ी हुई मूर्तियाँ नहीं थीं, और उनके पैरों पर चीज़ें नहीं डाली जा रही थीं, और उन लोगों के लिए भुगतान करे कि वापस आकर और उस मूर्ति में आ जाए। "मरियम, जय हो, मरियम, और परमेश्वर की माता," उसी तरह से जैसे उन्होंने अस्तेर्ते (सम्मोहित करने वाली) के लिए किया, जो मरियम की आत्मा थी।

179 अभी दो या तीन वर्ष पहले कैथोलिक कलीसिया ने एक नया मत–सिद्धांत आरंभ किया कि "मरियम मृतकों में से जी उठी थी और स्वर्ग में चली गई है।" कितने लोगों को यह याद है? ओह, आप सबको याद हैं, निश्चय ही, अखबार इससे भरे हुए थे। मत–सिद्धांत! यह मत–सिद्धांतों पर बना है, और कहीं भी सच्चाई का एक अंश भी नहीं है।

180 अब, आप प्रोटेस्टेंट बस उतने ही ख़राब हैं, जो परमेश्वर के वचन को लेने से इंकार करते हैं। यह प्रोटेस्टेंट कलीसिया का मत–सिद्धांत है, वैसे ही जैसे यह कैथोलिक कलीसिया का मत–सिद्धांत है, और हम पूरी तरह से गलत हैं जब तक हम जीवित परमेश्वर के वचन पर वापस नहीं आते हैं! सही है।

181 आप असेंबली ऑफ गॉड, आप फोरस्क्वेयर, आप पेंटीकोस्टल वननेस, थ्रीनेस, या जो कुछ भी आप हो सकते हैं, परमेश्वर के वचन पर वापस आ जाये! इनमें से कुछ सांप्रदायिक मूर्तियों को, सांप्रदायिक काल्पनिक जंतु की मूर्तियों को छोड़ दो। वे अपने आप से सम्मोहित करते है (शैतान की आत्मा) इन सांप्रदायिक मूर्तियों में। क्या आप यह जानते हैं? *संप्रदाय* "एक मूर्ति" है!

आप कहते हैं, "क्या आप एक मसीही हैं? "

"मैं प्रेस्बिटेरियन हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं एक मेथोडिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं पेंटीकोस्टल हूं।"

182 इसका मतलब इससे अधिक कुछ नहीं है कि आप एक "सूअर" या एक "कुत्ता" या एक "घृणित व्यक्ति" है, इसका इससे अधिक कुछ भी लेना–देना नहीं है। यह सही है। आज हमें जिस चीज की आवश्यकता है: वापस परमेश्वर के वचन की ओर आ जाये!

183 अब, उत्तरी आयरलैंड के इन दुकान के कर्मचारियों और बहुमूल्य लोगों में, यदि संत पैट्रिक... जहां पर उसके सारे विद्यालय थे। आप जानते हैं, उसका नाम पैट्रिक नहीं था? उसका नाम सुक्कत था। जब वो एक छोटा लड़का था उसका अपहरण किया गया था; उसकी बहनों को मार डाला गया था। और वो वापस लौटा, क्योंकि उसने कुत्तों को सूअरो और इत्यादि का पीछा करने के लिए प्रशिक्षित किया, सो उसने—उसने—उसने ऐसा किया, जब उसने ऐसा किया, तब वे... उसने अपने पिता और माता के घर वापस जाने का मार्ग ढूंढा। और उसने एक विद्यालय को आरंभ किया। और उत्तरी आयरलैंड के स्कूल ने कभी भी पोप को परमेश्वर के सर्वोच्च प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार नहीं किया, उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। वे वचन के साथ बने रहे। परमेश्वर उस धन्य संत, संत पैट्रिक, उस महान व्यक्ति को आशीष दे।

184 और आप उन्हें कहते हुए सुनते हैं कि "संत पैट्रिक ने आयरलैंड के सारे सांपों को भगा दिया।" इतिहास को पढ़ें और देखें कि यह क्या था। संत पैट्रिक ने अन्य जुबान में बोलने पर विश्वास किया। संत पैट्रिक सांपों को उठा लेने या घातक वस्तुओ को पीने में विश्वास किया; और जब वह एक सांप को उठाकर और उसे अपने रास्ते से बाहर फेंक सकता था, उन्होंने कहा, "वह आयरलैंड से सांपों को भगाता है।" ऐसा इसलिए था क्योंकि उसने सांपों को उठाने में विश्वास किया था, और कुछ भी उन्हें हानि नहीं होती थी। जी हां, ओह, निश्चय ही।

185 उनके पास वे... ये बड़े, विशाल–मंदिर नहीं थे। और क्या—क्या एक संत करता... आज इरेनियस क्या करता? आज संत पैट्रिक क्या करता, यह देखकर कि सैकड़ों अरबों डॉलर रोमन कैथोलिक धर्म में डाले गए हैं, कि बड़ी–बड़ी कलीसियाओ को बनाये और करोड़ों डॉलर की मूर्तियों का और तैयार करें हर एक चीज बस उसी तरह से है जैसा कि प्रोटेस्टेंट कर रहे हैं?

186 मैंने एक दिन एक कथन को को कहा था और इस बात ने हर एक को चकरा दिया, यही कारण है कि मैं इस टेप को रोक देता हूं। आप बस उन्हें ऐसे ही छोड़ दे, अंधा अंधे की अगुवाई करता है, उन्हें खड्डे में गिरने दो। केवल यही एक चीज है जो आप कर सकते हैं, देखो। जब मैंने उन्हें वेदी की पुकार के बारे में बताया, तो बाईबल में ऐसी कोई चीज नहीं थी जैसे "वेदी की पुकार।"

187 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... उसकी पवित्रता का। अपने आप को उसकी मृत्यु के लिए नम्र करते हुए, अपने आप को कुछ भी नहीं गिना, तब पवित्र आत्मा अंदर आकर और हमें ऊपर उठाता है। और हम अपने आप पर भरोसा नहीं करते हैं, क्योंकि हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन उसके साथ हम सारी चीजें कर सकते हैं।

188 हम, उसके स्वरूप में, एक जीवित परमेश्वर का एक जीवित स्वरुप है। आपको क्या... जब आप अपने आप को परमेश्वर को समर्पित करते हैं और परमेश्वर आपके अंदर आता है, तो यह आपको क्या बनाता है? परमेश्वर का एक जीवित स्वरुप। ना ही कोने में रखी कोई मरी हुई मूर्ति; ना ही एक संप्रदाय जिसका मुख्यालय वाशिंगटन में है, कलीसियाओ के परिसंघ में—में—में; हुंह–उह, नहीं, यही एक मरी हुई मूर्ति है, एक मरी हुई मूर्ति और एक मरा हुआ मतसार। लेकिन व्यक्तिगत में एक जीवित स्वरुप!

189 उस दिन कोई तो शिक्षा को दे रहा था, या उसके पास किसी ने लिख कर दिया था, "यदि एक मनुष्य बचाया नहीं गया है, और... यदि एक पुरुष बचाया गया है और उसकी पत्नी बचाई नहीं गयी है, तो क्या वे रेपचर में जायेंगे? स्त्री रेपचर में नहीं जा सकती, वहां ऐसी कोई बात नहीं है जैसे कि एक स्त्री रेपचर में जा रही हो, क्योंकि वे एक हैं।" बेकार की बात है! यीशु ने कहा, "एक खाट पर दो होंगे, और मैं एक को लूंगा और एक को छोड़ दूंगा।" यह आपके और परमेश्वर के बीच एक व्यक्तिगत मामला है,

आपके शरीर को समर्पित करना; चाहे मां, पिता, बच्चे, कोई भी हो, इसे ग्रहण करता है या नहीं। आमीन!

190 हे परमेश्वर! यह भ्रष्ट, दूषित, गंदी, मलिन दुनिया; ये गंदी, मलिन कलीसियाये जो कहलाने के लिए कलीसियाये कहलाती है; ये गंदे, मलिन संगठन; ये गंदे, मलिन मत–सिद्धांत जो परमेश्वर के वचन के विरोध में होते है। हे परमेश्वर, एक नम्र छोटे व्यक्ति को कहीं से तो लेकर आएं और उन्हें साफ करें, और उन्हें स्वर्गीय स्थानों में ऊपर उठाये और अपने आप को दिखाये, सर्वशक्तिमान परमेश्वर। आमीन। यह क्या ही भ्रष्ट चीज हो चूकी है!

191 हम उसकी पवित्रता के भागीदार बनाये गये हैं। हम, उसके स्वरूप में, हम एक जीवित परमेश्वर के जीवित स्वरूप हैं। तब, अपने आप के मरे हुए, उसके साथ जी उठे, अब सुनना, इसे सुनना, उसका वचन *हम* में फिर से देहधारी हुआ। (ओह, भाई नेविल!) देखो! यह क्या है? ना ही कोई मनगढ़त, काल्पनिक, देवता वहां पर बैठा हुआ है, लेकिन जीवित परमेश्वर। जीवित परमेश्वर क्या है? वचन आपके अंदर अपने आप को वास्तविक बनाता है। व्यूह! परमेश्वर की महिमा हो! ओह, मैं जानता हूं कि आप सोचते हैं कि मैं एक पवित्र शोर–शराबा करने वाला हूं, हो सकता है मैं हूं। लेकिन, ओह, भाई, क्या आप इसे देखते हैं? हर एक संप्रदाय के ऊपर विजयी, सारे पागानवाद पर विजयी, एक जीवित परमेश्वर एक जीवित मंदिर में प्रकट बना, और परमेश्वर का वचन, जो कि परमेश्वर है, आप में देहधारी हुआ है। क्यों? आप स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, सारी चीजों पर जयवन्त हुए हैं, मसीह यीशु में। आमीन!

ओह, मैं बस इसे पसंद करता हूं। मुझे कुछ बातों को छोड़कर और आगे बढ़ना होगा।

192 अब, सुनना। तब उसके छोटे से छोटे विश्वासी जन, कोई फर्क नहीं पड़ता कब—कब तक, या कौन—कौन, छोटा, या आप जो भी हो, उसके छोटे से छोटे विश्वासी जन जो उसमें है सारी बुराई उनके नीचे है। समझे? देखो! मसीह देह का सिर है। क्या यह सही है? तो ठीक है, जहां कहीं भी सिर होता है, देह इसके साथ होती है। महिमा! जहां मेरा सिर जाता है यह मेरे शरीर को इसके साथ ले जाता है। और जहां पर यीशु है, कलीसिया उसके साथ है। आमीन! वह अपने वचन से बाहर नहीं आता है; वह उसके

वचन में बना रहता है, इस पर ध्यान देता रहता है, ताकि इसे प्रकटीकरण में लाये। उसकी कलीसिया उसके साथ है।

193 और, देखो, आप कहते हैं, "लेकिन, भाई ब्रन्हम, मैं सबसे छोटा हूं।" यह उसके पैरों के तलवे है। लेकिन, याद रखें, उसने आपके साथ विजय पायी है, आपके साथ इसके हर एक अंश पर विजय को पाया है, भले ही कि आप उसके पैरों के तलवे हो। हर एक बीमारी, हर एक शैतान, हर एक शक्ति, यहां तक कि खुद मृत्यु भी, आपके पैरों के नीचे है, *आपके* नीचे। महिमा! मुझे ऐसा नहीं महसूस नहीं होता कि मैं आज सुबह बावन वर्ष का हूं। यह सच्चाई है। यदि मैं इस कलीसिया को समझा सकूं कि इसे देख पाए, भाई, तो हम एक विजयी कलीसिया होंगे। उस पर विश्वास करने वाले, सारी बुराईयां उसके नीचे है। ओह, महिमा!

194 मैं थोड़ी परखूंगा, मैं अगली बार फिर से आरंभ करूंगा।

195 सुनना, इसे सुनना। आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, मेरे पास कोई सामर्थ नहीं है।" ना ही मेरे पास है। मेरे पास कोई सामर्थ नहीं है। "तो ठीक है, भाई ब्रंहम, मैं एक कमजोर व्यक्ति हूं।" वैसे ही मैं भी कमजोर हूं। लेकिन मैं अपनी शक्ति पर निर्भर नहीं हूं, यह मेरी शक्ति नहीं है। मैं अपने अधिकार पर निर्भर रहता हूं, देखिये, मेरे अधिकार ने मुझे दिया है। यह *मैं* नहीं जो बलवान हूं, मैं बलवान नहीं हूं। *वो* बलवान है, और मैं—मैं उसका हूं।

196 यहाँ, इस तरह, उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि यहाँ सड़क पर गाडियों का आना–जाना जारी है, लुईसविले में फोर्थ और ब्रॉडवे पर, "ज़ूम, जूम, जूम, जूम," बस जितनी तेजी से वे चला सकते हैं चलाते है, उस सड़क पर साठ मील प्रति घंटे की रफ्तार से, हर कोई जल्दबाजी में है, धकेल कर आगे निकल रहा है, हड़बड़ी में है। एक छोटा मनुष्य वहां पर चलकर आता है, अपने हाथ को ऊपर उठाता है, और, भाई, गाड़ियाँ ब्रेक लगाकर रुक जाती है। तो ठीक है, उस छोटे से मनुष्य के पास इतनी शक्ति नहीं है कि उन गाड़ियों में से एक को भी रोक सके, लेकिन उसके पास अधिकार है। (महिमा!) यह उसकी कोई सामर्थ नहीं है। ठीक है, यदि उनमें से एक भी कार उसे टक्कर मार देगी, तो यह उस मनुष्य को ध्वस्त कर देगी। लेकिन उसे हाथ को उठाने दो! क्यों? कार के चालक उस वर्दी को पहचानते हैं।

197 ओह, भाई, वे उस वर्दी को पहचानते हैं, ब्रेक को लगा देते है। क्यों?

उसके अधिकार को देखो। देखो उसके पीछे क्या है। शहर की सारी व्यवस्था उसके पीछे है। शहर का कानून व्यवस्था बल उसके पीछे है। वह वर्दी इसका प्रतिनिधित्व करती है। वह भिन्न है, जी हां, श्रीमान, क्योंकि वह एक अधिकारी है।

198 वह चिल्लाता है, "रुको!" तो ठीक है, उनमें से एक कार "ज़ूम" करके निकलती है, और बस उसे इस तरह से ले जाएगी। लेकिन अच्छा होगा कि वे इसका प्रयास ना करे, देखो उस अधिकारी के पीछे क्या है। वे तेज आवाज़ से ब्रेक लगायेंगे और फिसलेंगे। उसे यहाँ तक कि कुछ भी नहीं कहना होता है, बस अपने हाथ को ऊपर उठाना है। यही इसे करता है, निश्चय ही। उसका अधिकार कानून व्यवस्था बल से आता है, यह सब उसके पीछे है। वह खुद निर्बल है, लेकिन उसके पीछे क्या है? यही है उसका सितारा... उसके वस्त्र, उसने पूरी तरह से एक वर्दी को पहने हुए होता है।

199 यही है जो... ना ही मूर्ति, लेकिन व्यक्तिगत को जो वस्त्र पहनने चाहिए। आओ हम परमेश्वर के सारे हथियार को बांध ले, आमीन, उद्धार के टोप को पहन ले, इस बड़ी ढाल को (एक दरवाजे के आकार की) उस विश्वास की ढाल को ले। ओह, भाई। ये वो नहीं जो वो है, लेकिन वो है जिसका वो प्रतिनिधित्व करता है।

200 यही है जो अधिकारी... यह छोटा सा मनुष्य नहीं है जो वहां पर खड़ा है, वह बस एक साधारण सा मनुष्य है, लेकिन वह जिसका प्रतिनिधित्व करता है!

201 हमारा हथियार यीशु मसीह है। जी हां, श्रीमान। जब वे इसे देखते हैं तो सारे शैतान अपने ब्रेक को लगा देते हैं। जब वे परमेश्वर के उस सारे हथियार को देखते हैं, पवित्र आत्मा का सच्चा बपतिस्मा, आमीन, जिसने इसे सीधे परमेश्वर के सिंहासन से आते हुए देखा, उसके पुनरुत्थान के सारे हथियारों को पहने हुए। आमीन।

202 ऐसा नहीं है कि *आप* बलवान हैं, आप कुछ भी नहीं हैं, यह तो वही है जो आपके पीछे है। क्यों? आप मर चुके हैं। आप सेना में भर्ती हो गए हैं, आप पुलिस बल में भर्ती हो गए हैं, आप कानून को बनाए रखेंगे और इन शैतानों पर नियंत्रण रखेंगे। यह सही बात है, आप पुलिस बल में है, सारी चीजे आपके पीछे है। देखो, आपको मरा हुआ माना गया हैं, आप कुछ भी

नहीं हैं, आप कुछ भी नहीं रोक सकते हैं। लेकिन आपका अधिकार जो आपको दिया गया है, क्योंकि आप जी उठे हैं और मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, शैतान इसे पहचानता है। हर चीज अपने ब्रेक को लगाती है जब उनके हाथ ऊपर की ओर उठते हैं।

203 संत मार्टिन, एक बार एक न्यायालय में... वहां एक व्यक्ति था जो चीर–फाड़ कर रहा था (एक शैतान), वह इस तरह लोगों के बड़े–बड़े टुकड़े काटकर निकाल रहा था, और लोग भाग रहे थे, वह उन्हें मारने की कोशिश कर रहा था। एक बड़ा हाथ खींचा–... बड़े नोकीले दांत, दांत, वह इस तरह से मांस के बड़े–बड़े टुकड़ो को मुँह में भर के झटके से बाहर खींच रहा था, पागलो जैसा घूम–फिर कर रहा था।

204 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... आराधना करने वाले। और वे दिन जो उसने आगे देखे, और जानता था कि यह इस प्रकार से होगा जब वह स्वयं उसकी अपनी कलीसिया से बाहर निकाला जाएगा, उस लौदिकियन कलीसिया से, उसने कहा, "देखो, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं।" उस संस्था ने उसे बाहर कर दिया था, और उन्होंने ऐसा आज किया है, लेकिन वह दरवाजे पर खटखटाने के लिए खड़ा है।

205 ओह परमेश्वर, होने पाए आज उसकी देह के सदस्य यह जान ले कि हम कलीसिया में विजयी हुए है। हम—हम मसीह में है। हम संसार की इन सारी चीजों के ऊपर बैठे हुए हैं।

206 हमारी स्त्रियां उनके बाल क्यों कटवाना चाहती है? परमेश्वर, यह दिखाता है कि कुछ तो गलत है। वे अपने आप को कामुक दिखने वाली चीजों में क्यों प्रदर्शित करना चाहती है? हमारे लोगों के ह्रदय में क्यों भूख है कि एल्विस प्रेस्ली जैसे एक—एक व्यक्ति को सुने? या—या इनमें से कुछ आवारा, या आदि–आदि, वहां एक पुराने गिटार के साथ खड़े होकर और वह पुराना चीखने–चिल्लाने वाला कर्कश संगीत बजाता है और हमारी युवा लड़कियों को झुमने को लगाता है और उनके अंतर्वस्त्र और आदि–आदि को निवस्त्र करता है? परमेश्वर, और उसके बाद वह लड़का पेंटीकोस्टल होने का दावा करता है! ओह परमेश्वर, क्या है... इस पैट बून की ओर देखें जो चर्च ऑफ क्राइस्ट के सदस्य होने का दावा करता है और ये सारी अश्लील, गंदी चीजे... हे परमेश्वर, अपने आप को "चर्च ऑफ क्राइस्ट से" कहकर बुलाते है।

207 परमेश्वर, हम अनुभव करते हैं कि अधिकार की मोहर एक संप्रदाय का नाम नहीं है, लेकिन यह सामर्थ है—मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ जो प्रत्येक व्यक्तिगत जीवन में है। परमेश्वर, होने पाए यह लोग यहां इस सुबह उसमें प्रवेश करने का प्रयास करें। और यदि यह टेप कभी उस देश में जाना चाहिए जहां पर वे लोग हैं, प्रभु, वे यह जानने पाए कि इसे ईर्ष्या से नहीं कहा गया था, क्योंकि मैं खुद गलत हो जाऊंगा, लेकिन जिससे कि कलीसिया विजयी हो सके और अपने स्थान को महसूस करे। जिससे वे देखें कि ये सारी मूर्तियाँ कहाँ पर है, जहाँ कैथोलिक कलीसिया स्पष्ट रूप से सामने आती है और इसे "एक मूर्ति" बना दिया है, प्रोटेस्टेंट इसे "एक संगठन" बनाते हैं, और बस उतना ही बुरा; वचन का इन्कार करते है, "भक्ति का भेष तो धरते है, परंतु उसकी शक्ति का इन्कार करते है।" हे परमेश्वर, आपका वचन कितना सच्चा है, हर एक वचन!

208 अब हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि आप हमें हमारे पापों के लिए क्षमा करेंगे, और होने पाए यह संदेश ह्रदय की गहराई में उतर जाए। और होने पाए लोग... होने पाए यह कलीसिया, जैसे कि यह छोटा सा आराधनालय अब एक कलीसिया के निर्माण की प्रक्रिया में है, होने पाए कि वे कभी भी किसी सुंदर चीज की ओर न देखें, केवल लोगों को आश्रय देने के लिए पर्याप्त प्रयास करें। परमेश्वर, होने पाए वे कभी भी देखने के लिए ना जाये और कहने के लिए, "हम उस बड़े आराधनालय के सदस्य, जिस पर बड़ा गुंबद है।" परमेश्वर, इसे एक खाली ढांचा होने दो। होने पाए वे यीशु मसीह के उद्देश्य से कभी भी दृष्टि को ना भटकाए। होने पाए वो ही वो एक हो जो उनके मंदिर को भर दे, और तब पवित्र आत्मा की सामर्थ और आग उनके ह्रदय की वेदी पर उतरेगी। यही है जहां पर वो सच्ची वेदी है, प्रभु, ये हर एक व्यक्तिगत के ह्रदय में है।

209 मैं आज सुबह प्रार्थना करता हूं कि यह वचन हर एक ह्रदय की वेदी पर इतने बोझ को रखेगा यहाँ तक कि वे इससे कभी भी दूर नहीं हो सकेंगे, कि वे विचारशील और समझदारी से सुसमाचार के लिए आएंगे, वचनों पर विश्वास करते हुए; और ना ही उनके ह्रदय को दुष्ट शक्तियों के लिए नहीं खोलेगे (या सनसनी महसूस होना, या चीखना, या कूदना, या—या कुछ प्रगटीकरण, किसी शारीरिक रूप में, या इसी तरह से कुछ), लेकिन मसीह की वास्तविक, सच्ची प्रेमपूर्ण मसीह की आत्मा, जहां पर वह स्वयं को प्रेम और सामर्थ में प्रगट करेगा।

210 इसे प्रदान करें, प्रभु। बीमारों और पीड़ितों को चंगा करें। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

... मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

211 हमारे झुके हुए सिरों के साथ, कितने लोग अपने ह्रदय को वेदी पर रखेंगे और इसे परमेश्वर के लिए एक भूमि बनायेंगे, जिससे कि वह अपने वचन को आपके ह्रदय की वेदी पर बो सके, जो मसीह के पुनरुत्थान के जीवन को लेकर आएगा? क्या आप अपने हाथों को उठाकर और कहेंगे, "परमेश्वर, मैं इसे अपने पूरे ह्रदय से चाहता हूं"? परमेश्वर आपके भूखे ह्रदयो को आशीष दे, दर्जनों के बाद दर्जनों।

इसे वहीं पर छोड़ दो, बस इसे वहीं पर छोड़ दो,
अपना बोझ प्रभु के पास लेकर आओ और उसे वहीं पर छोड़ दो;
यदि हम भरोसा करते हैं और कभी संदेह नहीं करते हैं, तो वह निश्चय ही हमें बाहर निकालेगा;
हमारे बोझ को प्रभु के पास ले आओ और इसे वहीं पर छोड़ दो।

212 ठीक आपके ह्रदय में, उद्धारकर्ता मसीह को याद करे, याद करे वह आपके लिए मरा। और यदि आप केवल अपने आप के लिए मर जाते हैं, तो यह आपके शरीर को खाली कर देगा, आपके प्राण को खाली कर देगा, आपके ह्रदय को खाली कर देगा इस संसार की हर एक चीज और उसके सारे सुख–विलास के लिए, तब मसीह... आप उसके साथ जी उठेंगे।

213 यदि आपने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा नहीं लिया है, तो यहां पर पानी से भरा हुआ एक तालाब है। और, जब आप उस पानी में से ऊपर उठते हैं, तो आप एक नए जीवन में मसीह के साथ चलने के लिए उठ रहे

होते हैं। तब आप मरे हुए होते हैं, आप अब और नहीं... गुस्सा और हर चीज चली जाती है। आप मसीह में एक नई सृष्टि होते है। तब वह आपको पवित्र आत्मा के द्वारा जिला कर खड़ा करता है और आपको अपने साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाता है, इस संसार की सारी शक्तियों से बहुत ही ऊपर।

214 कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने छोटे है, यदि आप एक छोटी कपडे धोने वाली महिला हैं, यदि आप—यदि आप बस एक भाई हैं, जिसके पास उसका... अपने क ख ग को भी नहीं जानता हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या हैं। आप मसीह में हैं, सारी चीजों पर जयवन्त है। और आपका अधिकार हर एक दुष्ट आत्मा के ऊपर है और हर एक सामर्थ जो शैतान के पास है। आप मसीह में है, जयवंत।

जबकि आपने अपने सिरों को झुकाया है:

215 मैं जानता हूं कि आज की सुबह यहां पर एक भाई आया हुआ है, भाई स्लिंक (मैं सोचता हूं कि वे उसे "सिंक, जिम सिंक" कहकर बुलाते थे), जो मैं सोचता हूं कि... और यहां हमारे भाई इस वचन के शिक्षक के रूप में पहचाने जाते हैं। क्या यह सही नहीं है, भाई सिंक? हमें आज सुबह उस पर हाथ रखना है, ठीक इससे पहले कि हम बीमारों के लिए प्रार्थना करें, कि उसे एक सेवक करके नियुक्त करे (हमारे भाइयों में से एक) कि कलीसियाओ में जाकर सुसमाचार को प्रचार करे।

216 भाई जिम सिंक, क्या आप यहां वेदी पर आएंगे? आइये, भाई नेविल। भाई जूनी जैक्सन, क्या आप यहां पर हैं? इस विश्वास का कोई और सेवक है?

217 भाई जिम सिंक यहां इस सुसमाचार में विश्वास करते हैं, जिसका हम प्रचार करते हैं, परमेश्वर का पुत्र, यह विश्वास करने के लिए कि वह वास्तव में कुंवारी से जन्मा परमेश्वर का पुत्र है। क्या यह सही है, भाई सिंक? [भाई जिम सिंक कहते हैं, "आमीन।"—सम्पा।] आप विश्वास करते हैं कि वह मरा और तीसरे दिन फिर से जी उठा, हर एक चीज पर विजयी हुआ, और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ है, परमेश्वर की सामर्थ के केंद्र में जो ऊंचे पर है, हमेशा ही हमारे लिए बिचवाई करने के लिए जीवित है? ["आमीन।"] आप यीशु मसीह के नाम में पापों की क्षमा के लिए पानी के बपतिस्मा में विश्वास करते हैं? ["आमीन।"] आप पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में विश्वास करते हैं, बस जैसा कि परमेश्वर इसे देगा, चिन्हों और

अद्भुत कार्यो के साथ जो विश्वासी के पीछे–पीछे आते है? ["आमीन।"] वो यह विश्वास करता है। और मैं विश्वास करता हूं कि उसके पास एक ऐसा जीवन था जो लोगों के सामने बेदाग़ है। वह यहां कलीसिया में अक्सर उनके लिए यहां प्रचार करता है, और मैंने पाया, वो "परमेश्वर का एक बहुत अच्छा व्यक्ति है।"

218 अब, इस कलीसिया के पास, क्या यहाँ पर कुछ बोलना है, कोई भी मनुष्य जिसके पास भाई सिंक के विरोध में एक शब्द है? इसे अभी कहे या तो हमेशा के लिए चुप्पी बनाए रखें। कितने लोग यह विश्वास करते हैं कि इस संदेश के प्रचार के साथ और इस वचन के साथ जो भाई सिंक... और आप विश्वास करते हैं कि पवित्र आत्मा की गवाही के द्वारा, कि भाई सिंक को नियुक्त किया जाए और यहाँ इस कलीसिया से सुसमाचार के सेवक के रूप में भेजा जाए, इन संदेशों को प्रचार करने के लिए जैसे आज सुबह प्रचार किया गया है, कि हर जगह वे संसार भर में जा सके जहाँ प्रभु उन्हें भेजेगा? अपने हाथों को उठाकर और कहे, "मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, भाई सिंक।" परमेश्वर आपको आशीष दे।

आइये हम अपने सिरों को झुकाये।

219 भाई नेविल, क्या आप अपने हाथ भाई सिंक पर रखेंगे, जब आप बाईबल पर अपना हाथ रखते हैं।

220 हमारे स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह आपके पास लाते हैं, एक मनुष्य को जिसे इस संसार की भ्रष्टता में से बाहर लाया गया है, जिसने अपने आप को अपने लिए मरा हुआ मान चूका है और मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है, यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया है, पवित्र आत्मा को पाने की प्रतिज्ञा के साथ जी उठा है, और अब स्वर्गीय स्थानों में है, और सेवकाई के लिए उसके जीवन की पुकार को महसूस करता है।

221 हे परमेश्वर, इस कलीसिया के प्राचीनों के रूप में, जैसे कि सभा और सामान्य अध्यक्ष और इत्यादि के रूप में, उस झुंड की निगरानी करने के लिए जिसकी देखभाल के लिए पवित्र आत्मा ने हमें तैयार किया है, सभा के लोगों ने अपने हाथ को उठाया है, यह जानते हुए कि भाई सिंक, "कि वे एक धर्मी मनुष्य है," इसलिए हम अपने हाथों को उन पर रखते हैं, जैसे कि भाई नेविल और मैं, आपके प्राचीनों के रूप में, और इसके द्वारा हम विश्वास की प्रार्थना करते हैं और भाई जिम सिंक को यीशु मसीह

की सेवकाई के अंदर नियुक्त करते हैं। इसे प्रदान कीजिये। होने पाए वह परमेश्वर की सामर्थ से भर जाए। होने पाए वह कभी समझौता ना करे। होने पाए वह आपके लिए प्राणों को जीते।

222 और, परमेश्वर, हम उनके प्रति अपनी निष्ठा और भाईचारे की प्रतिज्ञा करते हैं, कि वह जहां कहीं भी वो जाते है, उनका समर्थन करें, प्रार्थना में, और सहायता में, और किसी भी तरह से जो हम कर सकते हैं। उसे ग्रहण करे, हे परमेश्वर, जैसा कि हम उन्हें आपके सामने रखते हैं। परमेश्वर के पुत्र, यीशु मसीह के नाम में। आमीन। आमीन।

223 आपके हाथों को वचन पर रखते हुए, और वहां मेरे भाई सिंक है, मैं आपको मसीह में भाई और हमारी संगति में नियुक्त करता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन। परमेश्वर आपको आशीष दे। तो ठीक है। और सभा के लोगो ने कहा, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] परमेश्वर आपको आशीष दे। सुसमाचार में करने के लिए बहुत कुछ है, जिसकी अत्यंत आवश्यकता है, हम चीज में आपके साथ सौ प्रतिशत खड़े हैं जो हम सहायता के लिए कर सकते है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

224 क्या वो अद्भुत नहीं है... ओह, प्रभु! मैं ऐसे लोगो को देखना पसंद करता हूं... यह ठीक है। वो है, जैसा कि मैं अब समझता हूं, वह होलीनेस टेबरनेकल के पास्टर के पद को ले रहा है जो यूटिका, इंडियाना में है, जहां वह वहां से अधिक दूर नहीं रहता है।

225 अब, आइये देखते हैं। ओह, क्या हमारे पास वे भाई लोग हैं? ओह, मैं विश्वास करता हूं कि हमारे पास अभी भी प्रार्थना करने के लिए बीमार लोग है, क्या हमारे पास नहीं है? तो ठीक है, क्या उन्होंने... आपने कुछ प्रार्थना के कार्ड दे दिए है? तो ठीक है, आइए कुछ प्रार्थना कार्डों को जल्दी से बुलाते हैं, अब हर कोई बस कुछ समय के लिए शांत बैठ जाये। हमें बहुत देर हो चुकी है। क्या आप मुझे दस मिनट दे सकते हैं? तो ठीक है। प्रार्थना कार्ड, वे लोग जिनके पास प्रार्थना के... आपने उन्हें कहां से दिया है, एक से?

226 तो ठीक है, प्रार्थना कार्ड नंबर एक, क्या आप आएंगे, नंबर दो, नंबर तीन, नंबर चार, नंबर पांच। प्रार्थना कार्ड नंबर एक, दो, तीन, चार, पांच, ठीक यहाँ पर खड़े हो जाये, जितनी जल्दी आप अभी कर सकते हैं, यदि आप उठ सकते हैं। यदि आप नहीं उठ सकते हैं, तो ठीक है, हमें बताएं,

हम आपको लेकर आएंगे। हम जितना संभव हो सके उतने लोगों को लेने की कोशिश करेंगे। एक, दो—दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस; छह, सात, आठ, नौ, दस; और केवल दो ही लोग उस पर खड़े हुए। दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह। (हुंह?) वे सारे, सारे प्रार्थना के कार्ड, हटकर *इस* दूसरी ओर आ जाए, इस ओर यहाँ पर आ जाए, इस ओर यदि आप आते है।

227 ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है? अब, हर कोई बस आदर पूर्वक रहे जितना आप कर सकते हैं, अब लगभग दस मिनट, बस लगभग दस मिनट। अब, जिनके पास प्रार्थना कार्ड हैं, हमने एक घोषणा की थी कि "वे लोग जो प्रार्थना करवाना चाहते हैं, अपने प्रार्थना कार्ड के साथ आएं," और इसलिए कि हम नहीं चाहेंगे... देखो, वे वापस आते ही रहते हैं, और फिर वे परमेश्वर के दानों को एक आत्माओ को बुलाने के समान उपयोग करने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम—हम ऐसा करने में विश्वास नहीं करते है।

228 हम—हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर को अपना कार्य करने दें। क्या आप यह विश्वास करते हैं? कितने लोग आज सुबह इस संदेश को सत्य होने का विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] धन्यवाद। धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं इसे अपने पूरे हृदय, प्राण और मन से विश्वास करता हूं।

229 अब, ऐसा दिखाई पड़ता है कि हमारे पास यहां लगभग पचास लोग हैं, जिनके लिए प्रार्थना की जानी है, कुछ इस प्रकार से। अब, सुनना। अब, आप में से हर एक जन मसीह में है। आप मसीह यीशु में हैं, सारी बीमारियों पर जयवन्त हुए है। आप सब जो प्रार्थना की पंक्ति में है, मसीही लोग है, फिर से जन्मे विश्वासी लोग है, तो अपने हाथों को ऊपर उठाये। तो फिर आपका स्थान मसीह में है।। आप पहले ही विजयी हो चुके हैं, और केवल एक चीज जो आपको अब करना है, कि जो परमेश्वर ने सत्य कहा है उसे स्वीकार करें और उस पर विश्वास करें।

230 मैं शायद उस पंक्ति के लिए विचारो को परखने के लिए नहीं ले सकता, ऐसा करने के लिए बहुत अधिक होगा, हमें बहुत ज्यादा समय लगेगा। ये मेरे लिए नहीं होगा, मैं विश्वास करता हूं कि मैं बाकी का दिन यहां रुक सकता हूं, मैं अब अच्छा महसूस कर रहा हूं। मुझे अब अच्छा लग रहा है।

मैं जानता हूं कि यह सत्य है। प्रभु की स्तुति हो! लेकिन *अब* हम मसीह में हैं, *अब* हम मसीह में स्थितिगत रूप से बैठे हैं। आमीन! ओह, प्रभु! क्या ये बातें जो मैंने सिखाई हैं वे सत्य हैं?? यदि ऐसा है, तो वह स्वयं को प्रदर्शित करेगा। यह सही है।

231 प्रार्थना पंक्ति में आपमें से कितने लोग ऐसे है जो मेरे लिए अजनबी हैं? मैं आप में से बहुत से लोगों को जानता हूं, लेकिन आप में से कुछ लोग अजनबी हैं। अपना हाथ ऊपर उठाये, मैं नहीं जानता कि आपके साथ कुछ ग़लत है, अपना हाथ ऊपर उठाये; पूरी पंक्ति में, हूं–हुंह, तो ठीक है। क्या वो मसीह है? आप इसे विश्वास करते हैं? आपके पास अवश्य ही विश्वास होना चाहिए, आपको अवश्य ही इसका विश्वास करना चाहिए। यदि आप इसका विश्वास नहीं करते हैं, तो यह काम नहीं करेगा। आपको अपनी स्थिति को जानना होगा, आपको अपने स्थान को जानना होगा। क्या यह सही है, भाई वेस्ट? यह सही है। अपने स्थान को जानो, मसीह ने प्रतिज्ञा की है, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे।

232 वह व्यक्ति जो वहां पीछे खड़ा हुआ है, उसके कमर में कुछ तो गड़बड़ है। आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे। आप प्रार्थना पंक्ति में नहीं जा सकते है, लेकिन आप पीछे जाकर और बैठ सकते हैं, यह छोड़कर जाने वाला है। और यह कैंसर नहीं है। वापस जाकर और बैठ जाये, यह सब खत्म हो गया है। मैंने अपने जीवन में उस व्यक्ति को कभी नहीं देखा। यदि हम अपरिचित है, भाई, तो अपना हाथ ऊपर उठाये। यदि हम अपरिचित है... क्या बात है, वो चंगा हो गया है!

यहां इस वेदी पर, क्या आप विश्वास करते हैं?

233 आपके बारे में क्या है? हम अजनबी हैं, मैं आपको नहीं जानता। परमेश्वर आपको जानता है। आप मुझे उसका सेवक होने का विश्वास करते हैं? क्या आप इस संदेश का विश्वास करते हैं जिसका मैं प्रचार करता हूं? क्या होगा यदि मैं आपसे कहूं कि आपकी पीठ की समस्या आपको छोड़ देगी? आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? श्रीमान बर्कहार्ट, आप ओहियो वापस चले जाये, आप चंगे हो गए है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

234 आप यहां अपने लिए नहीं हैं, आप यहां किसी और के लिए हैं। यह

एक महिला है। और वो भी ओहियो से है, यह सही बात है, उसका नाम ऐलिस मैकवन है। यह सही है। उसका एक ऑपरेशन हुआ था। यह सही है। पेट की परेशानी और स्त्री समस्या और घबराहट। क्या यह सही है? केवल विश्वास करें और वह चंगी हो जाएगी। आगे बढे और इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करे। इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें, वह इसे पा लेगी।

235 आप कैसे हैं? मैं आपको नहीं जानता, हम अजनबी हैं। क्या यह सही है? आप मुझे उसका सेवक होने का विश्वास करते हैं? आप विश्वास करते हैं कि हम मसीह में विजयी हुए हैं? यदि आप विश्वास करती हैं, आपकी घबराहट और आपकी परेशानियां और चीजों के साथ जो आपको है, तब, श्रीमती ऐलन, आप अपने घर वापस जा सकती हैं और स्वस्थ रहे।

236 मैं विश्वास करता हूं कि हम अजनबी हैं, क्या हम नहीं हैं? मैंने आपको पहले कभी नहीं देखा। ऐसा पहली बार है जब हम कभी मिले हैं, हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। क्या आप मुझे उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करती हैं? आप इसे विश्वास करती हैं? आप गुर्दे की बीमारी से पीड़ित हैं। यह सही बात है, क्या ऐसा नहीं है? आप यहां के रहने वाली नहीं हैं, आप वहां दक्षिण से हैं। आप अपने बच्चों के लिए प्रार्थना कर रही हैं जिनका उद्धार नहीं हुआ है। वह आपके पीछे आपके पति हैं। आज सुबह उसके ह्रदय में एक मनुष्य है, एक मित्र जिसके लिए वह प्रार्थना कर रहा है। कहूं तो, मैं किसी को तो देखता हूं, आप—आप मेरे माता और पिता के मित्र हैं। एक व्यक्ति यहाँ पर आता है जिसे एल.सी. या एस.टी., बुलाया जाता है, या ऐसा ही कुछ, एस.टी. या ऐसा ही कुछ, यह—यह आपका बेटा है। [भाई नेविल कहते हैं, "जे. टी।"—सम्पा।] जे. टी... वहां आप हैं, एस. टी. नहीं, यह जे. टी. नहीं है, मैं जानता हूं। यह एक छोटा, काले सिर वाला मनुष्य है, मैंने उसे ठीक यहां सामने खड़ा हुआ देखा है, जहां वह अभी है। घर वापस जाये, आपके पास आपकी विनंती है। घर वापस जाये।

237 क्या वो आज सुबह यहाँ पर है, वह व्यक्ति जो वहां जॉर्जिया से है? जी हां। टी. एस। जी हाँ। मैंने आपके पिता और माता को अपने जीवन में कभी नहीं देखा, और आप जानते हैं कि यह सच है, लेकिन मैंने आपको ठीक तब उनके सामने उपस्थित होते हुए देखा है। मैं जानता था कि ऐसा था।

आपके पास आपकी विनंती है, संदेह ना करें।

238 आप सब अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? अब, कितने लोग करते है? आप में से हर एक जन सारे मसीह में है। आप कहते हैं, "क्या यही सुसमाचार है?" बिल्कुल ठीक यही है जो यीशु मसीह ने किया। बिल्कुल ठीक यही है जो प्रेरितों ने किया। बिल्कुल ठीक यही है इरेनियस और बाकी के लोगों ने किया। यह ठीक बात है।

आप इसे विश्वास करते हैं? तब अपने सिर को झुकाये।

239 यहां आये, प्राचीन। वहां पर बहुत से लोग है जो इस तरह से सारी पंक्ति में से होकर निकलते है। हमने वहां पर दो या तीन को चुना है। ठीक यहाँ पर नीचे आ जाये। मेरा यह भाई नेविल परमेश्वर का जन है। मैं इसे विश्वास करता हूं।

240 हम यहां इस पंक्ति में से होकर निकलेंगे और हम इन लोगों के लिए प्रार्थना करेंगे, उन पर हाथ रखेंगे। आप सभी विश्वास करते हैं कि आप चंगे हो जाएंगे, आप में से हर एक जन? यहां पर हर कोई इसे विश्वास करेगा? तो अब अपने सिर को झुकाये, हम कलीसिया की विजय में हैं।

241 प्रभु यीशु, मैं इस भाई को जानता हूं, यही कारण है कि मैंने इस विषय में उससे कुछ भी नहीं कहा। मैं जानता हूं कि वह क्या चाहता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसे चंगा करें, प्रभु, और उसे उसकी विनंती को उत्तर दे। यीशु मसीह के नाम में।

242 स्वर्गीय पिता, इस छोटे भाई पर हाथ रखने के साथ, आज सुबह, हम यीशु के नाम में उसके छुटकारे के लिए मांगते हैं। आमीन।

243 ओह, आप...

स्वर्गीय पिता, यहाँ हमारी बहन डाऊच को दीजिये, एक प्यारी बहन, जो यहाँ हमारी एक सच्ची मित्र रही है, मेरे परिवार और हमारे प्रियजनों के लिए। हम विश्वास करते हैं कि वह और उसका पति आपके बच्चे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप आज सुबह बहन के विनंती को स्वीकार करेंगे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

244 परमेश्वर, यीशु के नाम में, हमारी बहन ब्रूस को आशीष दे। हम जानते हैं, प्रभु, कि वह आपकी दासी है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसकी— उसकी विनंती का उत्तर देंगे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

245 हे स्वर्गीय पिता, इसे समझते हुए कि—कि केवल आप ही बहन ब्लैंकको को चंगा कर सकते हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसे आशीष दें और उसके लिए इस विनंती को प्रदान करें, प्रभु। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

246 स्वर्गीय पिता, अपनी बहन पर हम अपने हाथो को यीशु मसीह के नाम में रखते हैं, आपकी महिमा होने के लिए उसके छुटकारे के लिए मांगते है। आमीन।

247 "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं," और हम अपने हाथ इस बहन पर रखते हैं जो चंगी हो जाएगी। यीशु के नाम में, इसे प्रदान करें, प्रभु। जबकि यह घबराया हुआ, कांपता हुआ शरीर, यहां पर खड़ा हुआ है, प्रभु, पवित्र आत्मा के प्रभाव के नीचे, और थका हुआ, लेकिन आप परमेश्वर हैं। इस युवा महिला को चंगा करे, मैं प्रार्थना करता हूं, यीशु के नाम में।

248 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारे भाई उसकी विनंती का उत्तर दे। इसे प्रदान करे, पिता। हम उस पर हाथो को रखते हैं और शत्रु को दोषी ठहराते हैं, वे जो उसके प्राण को जहर देते हैं, या उसके सामने एक—एक काले निशान को लगाते हैं। होने पाए वह आज सुबह उस पर विजयी होकर उठे, प्रभु, और मसीह यीशु में अपने स्थान को जान ले। और उसके पास वही होगा जो उसने मांगा है, यीशु के नाम में।

249 हमारे स्वर्गीय पिता, यीशु मसीह के नाम में, हमारे भाई पर हाथों को रखते हुए, उसकी विनंती को प्रदान करें। आमीन।

250 यह प्यारी छोटी सी लड़की, पिता, यीशु के नाम में होने पाए प्रभु दया करना, परमेश्वर की महिमा के लिए हम उसके छुटकारे के लिए मांगते हैं।

251 परमेश्वर, हम इस मां के ह्रदय की पुकार और उसकी पुत्री की पुकार को जानते हैं। परमेश्वर, आज सुबह उसके विश्वास को प्रदान करें, और फिर इसे ठीक अभी लागू करें, यह जानते हुए कि उसके पास इसके ऊपर सामर्थ है। और इसे यीशु मसीह के नाम में किया जायेगा।

252 परमेश्वर, इस छोटे लड़के को चंगा करे, हम यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करते हैं।

253 परमेश्वर, हमारे पिता, हम अपनी बहन पर हाथों को रखते हैं और

आज सुबह मांगते हैं, आप उसके विनंती को स्वीकार करे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

254 हमारे स्वर्गीय पिता, जब यह छोटी महिला चंगाई के लिए अपने स्थान को लेने के लिए आती है, हम उस पर हाथों को रखते हैं और उसकी चंगाई के लिए मांगते हैं। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

255 इस प्यारे छोटे बालक पर हम अपने हाथों को रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में, इसकी चंगाई के लिए मांगते हैं।

256 यीशु मसीह के नाम के द्वारा, हमारी बहन पर हाथ रखते हुए, होने पाए आप उसे अभी चंगा करे।

257 हमारे पिता, जो स्वर्ग में है, आपका नाम पवित्र माना जाए, इस लड़के पर हम अपने हाथों को रखते हैं। यीशु मसीह के नाम में, होने पाए वो इसका विश्वास करे। आमीन।

258 स्वर्गीय पिता, यहां हमारे साहसी भाई के ऊपर, प्रभु, आपका दास, परमेश्वर का जन, हम उस पर हाथों को रखते हैं ताकि उसकी विनंती को स्वीकार किया जा सके। यीशु मसीह के नाम में होने पाए अब वो अपने स्थान को ले ले। अब, यहां परमेश्वर का एक पुत्र है, महिमा के समय में जहां हम सब समाप्त हो रहे हैं।

259 स्वर्गीय पिता, हमारी छोटी बहन पर जो बहुत ही अंधकार से बाहर निकली है ताकि उजियाले में चले, प्रदान करे, प्रभु, कि उसके साहसी छोटे से प्राण को आज सुबह ऊँचा उठाया जाए, उस स्वर्गीय वातावरण के अंदर। और उसकी—उसकी विनंती का उत्तर दीजिये, यीशु के नाम में। आमीन।

260 स्वर्गीय पिता, यहाँ हमारे भाई पर हमारे हाथों को रखा है प्रभु यीशु के नाम में, मांगते है कि यह विनंती उसे प्रदान की जाये। प्रभु यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

261 हमारे स्वर्गीय पिता, हम अपनी बहन के बच्चे पर हाथों को रखते हैं, और मांगते हैं कि उसकी विनंती को उसे प्रदान किया जाए, पिता, जब हम यीशु मसीह के नाम में अपने हाथों को उस पर रखते हैं।

262 हमारे स्वर्गीय पिता, हम अपनी बहन पर हाथों को रखते हैं, यीशु मसीह के नाम में। होने पाए उसकी विनंती को प्रदान किया जाए, यीशु के नाम में।

आमीन।

263 हमारे स्वर्गीय पिता, जब हमारी बहन इस पंक्ति में से होकर गुजरती है और... हम अपने हाथों को उस पर रखते हैं, होने पाए परमेश्वर का मसीह अब समीप आकर और परेशानी को दोषी ठहराये और उसे चंगा करे। आमीन।

264 स्वर्गीय पिता, हमारे भाई पर, हम उस पर हाथों को रखते हैं और मांगते हैं कि यीशु मसीह के नाम में, कि आप उसे यीशु के नाम में चंगा करें। आमीन।

265 स्वर्गीय पिता, इस लड़की पर हम अपने हाथों को रखते हैं, और हमारे बहुमूल्य प्रभु से मांगते हैं। यीशु मसीह के नाम में, हम उसकी चंगाई के लिए मांगते हैं। आमीन।

266 हमारे बहुमूल्य प्रभु, हम अपने हाथों को हमारे भाई पर रखते हैं, परमेश्वर के पुत्र, यीशु मसीह के नाम में, हम उसमें से होकर जयवंत से भी बढ़कर है। और हम मांगते हैं कि आप हमारे भाई को उसकी विनंती का उत्तर देंगे, यीशु के नाम में। आमीन।

267 हमारे पिता, हमारी दासी के भाई पर, क्रूस के इस छोटे से योद्धा पर, मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आपका आत्मा उस पर आए और उसकी विनंती को प्रदान करे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

268 हमारे स्वर्गीय पिता, क्रूस के इस साहसी योद्धा पर, वह आपके वचन के लिए खड़ा हुआ है आलोचना और इत्यादि के समय में—में है, और फिर भी वचन के साथ बना रहता है, मसीह यीशु में जयवंत से भी अधिक आगे बढ़ गया।। उसे उसकी विनंती का उत्तर देना, पिता। मैं अपनी प्रार्थना को करता हूं और उसे आपकी आशीष से देता हूं, प्रभु, कि आप उसे चंगा करें और उसकी विनंती का उत्तर देना। यीशु के नाम में। आमीन।

269 स्वर्गीय पिता, यह बालक परमेश्वर के बिना नहीं जी सकता, लेकिन परमेश्वर इसे चंगा कर सकता है। मैं इस पर हाथो को रखता हूं और शत्रु को दोषी ठहराता हूं, यीशु मसीह के नाम में। बालक को आशीषित कीजिये, और होने पाए आप उसे यीशु मसीह के नाम में फलने–फूलने में सहायता करें। आमीन। जयवंत से भी बढ़कर है।

270 स्वर्गीय पिता, हमारी बहन को, जिस पर हम यीशु मसीह के नाम में हाथों को रखते हैं, परमेश्वर का विजयी भवन देहधारी हुआ और हमारे

बीच में वास किया। होने पाए उसके नाम में से होते हुए, परमेश्वर के उस पुत्र का धर्मी नाम, यीशु मसीह, हमारी बहन को उसकी विनंती को प्रदान करे। आमीन।

271 हमारी बहन किड, आपके ह्रदय को आशीष दे। हमारे स्वर्गीय पिता, जैसा कि मैं इस बुजुर्ग पुरुष और महिला को यहां हमारे हाथों को थामे हुए हूं, जिसने सुसमाचार प्रचार किया था जब मैं बस एक छोटा सा लड़का ही था, वे कुछ दिनों पहले कैंसर से पड़े मर रहे थे; उन तक पहुँचने के लिए दौड़ रहा था, और परमेश्वर की सामर्थ एक अस्सी वर्ष के व्यक्ति पर उतर आई और उसे चंगा किया, इतना तक कि डॉक्टर चमत्कारिक रूप से चुप हो गये थे, इसे समझ नहीं सके। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज सुबह उसके विनंती को स्वीकार करेंगे। उसकी धन्य छोटी पत्नी, प्रभु, जिसने अपने पति को सेवकाई में भेजने के लिए उसने तख्ते पर कपड़ो को धोया है ताकि यीशु मसीह के इस—इस लहूलुहान सुसमाचार को प्रचार करे। इसे प्रदान करें, प्रभु।

272 प्रभु उनके पुत्र जूनियर को आशीषित करें। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसे चंगा करेंगे और उसे मजबूत बनाए रखेंगे, प्रभु। वह उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ढोने के लिए उनका सहारा है, कि रूमाल को रखे। हालाँकि वे बहुत ही बूढ़े हो गए हैं वे अब और अधिक कार्य क्षेत्र में नहीं जा सकते हैं, लेकिन वे अस्पताल से घर–घर में जाते हैं, बीमारों पर रुमालो को रखते है। परमेश्वर, आप इसका सम्मान करेंगे, मैं जानता हूं आप करेंगे। उन्हें आशीष दे और उन्हें और अधिक दिनों के लिए शक्ति प्रदान करे, पिता। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

273 आपको आशीष दे। ऐसा ही होगा, भाई किड, ऐसा ही होगा। [भाई और बहन किड भाई ब्रन्हम से बात करते हैं—सम्पा।] परमेश्वर की स्तुति हो। आमीन। जी हां, जिसके लिए हमने फोन पर प्रार्थना की थी।

274 एक पुरुष और महिला जो अस्सी वर्ष की आयु के है, और बीता चुके हैं, वे बाहर कार्य क्षेत्र में नहीं जा सकते हैं और पुलपीट में नहीं खड़े हो सकते, इस समय इस तरह से प्रचार करने के लिए बहुत बूढ़े है, लेकिन फिर भी यहाँ नीचे भेजकर और प्रार्थना के कपड़ों के पैकेट को लेंगे और उन कपड़ो को बीमारों और पीड़ितों के पास भेजते हैं, उन्हें अस्पतालों में ले जाते हैं और इस तरह की हर एक चीज करते है। इसे उन पर रखने के

लिए... वे अब और बाहर नहीं निकल सकते हैं और इस तरह से सेवकाई की सहायता नहीं कर सकते हैं, लेकिन वे आगे बढ़ते रहते हैं जितनी अच्छी तरह से वे कर सकते हैं। इससे हम युवा लोगों को अपने आप में शर्म को महसूस कराना चाहिए। यह ठीक बात है, मसीह के लिए कुछ तो करना है।

275 याद रखें, यह बुजुर्ग व्यक्ति जो यहां पर है, भाई किड, मेरे जन्म से पहले सुसमाचार का प्रचार कर रहे थे। यह ठीक बात है, वहां बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहे है, एक साहसी बूढ़ा योद्धा। और यहाँ, बुजुर्ग, आप कितने वर्ष के हैं, भाई किड? इक्यासी वर्ष के, अब भी परमेश्वर के राज्य के लिए जा रहे है! पुलपिट में खड़े होने के लिए बहुत बूढ़े है और इस तरह के एक संदेश को देने के लिए तैयार नही है, लेकिन अस्पताल जाते है, अस्पताल के पलंग के पास जाएंगे, जहां एक लड़का जो उसे कार में यहाँ वहां ले जाता है। और वे चल नहीं सकते, इसलिए वे बस उसे एक कार में ले जाते हैं और उन्हें उस स्थान पर ले जाते हैं, और वे दो जन, बूढ़े पति और पत्नी, वहां जाकर और बीमारों पर एक रूमाल को रखते है।

276 उनका एक प्रिय जन था जो उस दिन मर गया था, एक लड़की, वे बस मुझे इसके बारे में बता रहे थे। हमने उनके लिए प्रार्थना की, पोती थी, जाकर और रखा... बच्ची अब उठ कर खड़ी है। परमेश्वर की स्तुति हो!

277 भाई किड, उन्होंने मुझे यहाँ कुछ समय पहले बुलाया था, लगभग दो वर्ष पहले, मैं सोचता हूँ, ऐसा ही है, कि उसे प्रोस्टेट में कैंसर था, लगभग अठहत्तर वर्ष की उम्र में, या अस्सी, लगभग अस्सी वर्ष की उम्र के आसपास, वे प्रोस्टेट में कैंसर के साथ थे। डॉक्टर ने बस इसे वापस लिटा दिया, वहां कुछ भी नहीं किया जा सकता था। हम जल्दी करने लगे, बिली और मैंने बारी–बारी से गाड़ी चलाई, ताकि वहां पहुंचे जहां पर वह था। और पवित्र आत्मा ने हमें उस सुबह जाने के लिए बताया। हम अक्सर ऐसा नहीं करते हैं, जब तक हम ऐसा करने के लिए अगुवाई को महसूस नहीं करते। और पवित्र आत्मा ने कहा, "जाओ," और हम वहां से चले गए और उस बूढ़े व्यक्ति पर हाथों को रखे, कि उसके लिए प्रार्थना करें। और डॉक्टर इसका कहीं भी निशान नहीं ढूंढ सकते। परमेश्वर की महिमा हो! ओह! क्यों? हमारा स्थान मसीह यीशु में है, जो सारी बीमारियों और शत्रु की सारी शक्तियों से बहुत ही ऊपर चढ़ गया।

278 ओह, क्या आप उस भाई के लिए खुश नहीं हैं?

लगभग हर जगह पर लोग है,
जिनके ह्रदय पूरी तरह से जल रहे है
इस अग्नि के साथ जो पेंटीकोस्ट पर उतरी,
जिसने उन्हें शुद्ध किया और उन्हें साफ किया;
ओह, यह अब मेरे ह्रदय के भीतर जल रहा है,
ओह, उसके नाम की महिमा हो!
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं;
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

यधपि ये लोग हो सकता है पढ़े–लिखे ना हो,
या सांसारिक कीर्ति का अहंकार,
उन सभी ने उनके पेंटीकोस्ट को ग्रहण कर लिया है,
यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया;
और वे अब बता रहे हैं, दूर–दूर तक,
उसकी सामर्थ अब भी वैसी ही है,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

279 कितने उनमें से एक है? अब अपने हाथ ऊपर उठाये।

... उनमें, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं;
ओह, उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

अब आओ, मेरे भाई, इस आशीष को मांगे
यह आपके ह्रदय को पाप से शुद्ध कर देगा,

इससे आनंद की घंटियां बजने लगेंगी
और आपके प्राण को अग्नि में बनाये रखेगा;
ओह, यह अब मेरे हृदय के भीतर जल रहा है,
उसके नाम की महिमा हो,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं; (हाल्लेलुय्या!)
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

वे एक ऊपरी कमरे में एकत्र हुए थे,
सब उसके नाम में प्रार्थना कर रहे थे,
उन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया था,
तब सेवा के लिए सामर्थ आ गयी;
अब उसने उस दिन उनके लिए जो किया
वह आपके लिए भी ऐसा ही करेगा,
और मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं
उनमें से एक हूं।

मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं; (हाल्लेलुय्या!)
उनमें से एक, उनमें से एक,
ओह, मैं बहुत खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें
से एक हूं।

280 अब जब हम इसे गुनगुनाते हैं, आइए अब हम एक दूसरे से हाथ मिलाये। कहे:

उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं; (हाल्लेलुय्या!)

उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

281 क्या आप एक नहीं है? कहे, "आमीन!" [सभा कहती है, "आमीन!"—सम्पा।]

मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं;
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

282 क्या मैं इस एक पद को फिर गा सकता हूं?

भले ही ये लोग हो सकता है पढ़े–लिखे ना हो, (उनके पास कोई बड़ा डी.डी., पीएच.डी., की डिग्री नहीं थी, आप देखो, कोई बड़ी–बड़ी चीजें नहीं है, आप देखते हैं।)
हो सकता है ये लोग पढ़े–लिखे ना हो,
ना ही सांसारिक कीर्ति का अहंकार, (कोई बड़ा संगठन।)
उन सभी ने अपने पेंटीकोस्ट को ग्रहण कर लिया,
उनमें से हर एक ने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया;
और वे अब बता रहे हैं दूर–दूर तक,
उसकी सामर्थ अब भी वैसी ही है,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं;
मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

ओह, ना ही सारे धरती के सुनहरे लाखों के लिए
क्या मैं इस बहुमूल्य स्थान को छोड़ दूंगा,
यदपि प्रलोभन देने वालो ने... मुझे यकीन दिलाने का
यत्न किया,
लेकिन मैं परमेश्वर के छावनी में सुरक्षित हूं,
उसके प्रेम और अनुग्रह में आनंदित,
और मैं हाल्लेलुय्या की पक्ष में जी रहा हूं!

283 ओह, प्रभु! मैं इससे बहुत खुश हूं। क्या आप नहीं है? क्या आप उनमें से एक होने के लिए खुश नहीं हैं? बस उनमें से एक, उन नम्र लोगों में से एक जिन्होंने अपने आप को खाली कर दिया, नीचे आ गए (ना ही मूर्ति के सामने), एक जीवित परमेश्वर के सामने, (ना ही किसी संगठन के सामने और अपने नाम को पुस्तक में डाले), एक जीवित परमेश्वर के सामने, (ना ही एक मत–सिद्धांत का वर्णन करने के लिए), लेकिन वचन को आप में देहधारी होने देने के लिए। देखो, ऐसा ही है। और अपने आप को नम्र किया, और फिर उसमें से होते हुए उसने आपको ऊपर उठाया, (ना कि घमंडी, डिंगमार होकर, कहे, "मैं *यह* हूं, *वह* हूं या *कुछ* और हूं"), लेकिन नम्रतापूर्वक, मिठास में, और "उसने मुझ जैसे एक अभागे को कैसे बचाया, और उसने भला इसे कैसे किया? " इसी प्रकार से सच्चा मसीही महसूस करता है। क्या आप यह विश्वास नहीं करते? ओह, वह बहुत ही वास्तविक है!

वास्तविक, वास्तविक, वह मेरे लिए बहुत ही
वास्तविक है!
ओह, वास्तविक, वास्तविक, वह मेरे लिए बहुत ही
वास्तविक है!
भले ही कुछ लोग उस पर संदेह करते हैं, मैं उसके
बिना नहीं रह सकता,
यही कारण है कि मैं उससे प्रेम करता हूं, और वह मेरे
लिए बहुत ही वास्तविक है!

वास्तविक, वह मेरे लिए बहुत ही वास्तविक है!

इसे गाये!

वास्तविक, वास्तविक, वह मेरे लिए बहुत ही

वास्तविक है!
भले ही कुछ लोग उस पर संदेह करते हैं, लेकिन मैं
उसके बिना नहीं रह सकता,
यही कारण है कि मैं उससे प्रेम करता हूं, और वह मेरे
लिए बहुत ही वास्तविक है!

284 ओह, मैं इसके लिए बहुत खुश हूं! जी हां, श्रीमान। ओह, मैं इस महान पुराने सुसमाचार के मार्ग के लिए बहुत ही आनंदित हूं, इस महिमामय पुराने सुसमाचार के मार्ग में रहते हुए।

285 अब, मित्रों, जब तक हम मसीह के सिंहासन पर फिर से नहीं मिलते, जब आप प्रार्थना कर रहे होते हैं, मुझे याद रखना। और परमेश्वर आप में से हर एक को आशीष दे। मैं... यह नहीं कह सकता कि मुझे खेद है कि मैंने आपको यहां रोके रखा है।

286 अब, आपके लिए जिन्होंने रूमाल को यहां पर रखा है, मैंने अभी उन पर हाथ रखा था जब हम बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहे थे, यदि आपने मुझ पर ध्यान दिया, जैसे ही आत्मा मुझ पर आया। मैं बहुत से दर्शनों में नहीं गया, क्योंकि मैं कमजोर हूं, थका हुआ हूं, आप जानते हैं, अब यहां लगभग दो या तीन घंटे से हूं, प्रचार कर रहा हूं, और मैंने अभी–को लेना आरंभ किया जिससे कि आप देखें कि परमेश्वर, परमेश्वर है। देखा? असम्भव, अविश्वनीय किंतु सत्य, कि वे चीजें ना ढूंढी जा सकती... शैतान...

287 अब, याद रखें, आप में से हर एक के पास मसीह में सामर्थ है। आपके पास सामर्थ नहीं है, आपके पास *अधिकार* है, आपका अधिकार। आप बस ऊँचे उठाए गए हैं, बहुत ऊपर; ना ही अपने आप को ऊपर उठाना, लेकिन मसीह ने आपको ऊपर उठाया है। जितना अधिक मसीह आपको ऊपर उठाता है, उतना अधिक आप नीचे होना चाहेंगे, देखो, आप बहुत ही नम्र महसूस करेंगे। तो फिर वह मुझ जैसे अभागे को कैसे बचाएगा, उसने ऐसा कैसे किया? लेकिन उसने इसे किया, और इसलिए मैं इसके लिए धन्यवादित हूं। आमीन! बहुत अच्छा!

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवंत करते,
स्वर्ग का राजाओं के राजा हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (ओह, बहुमूल्य नाम! क्या वो अद्भुत नहीं है?)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

288 अब, सुनना, इसे मत भूलना, आप समूह को गाये, मुझे इसका पद गाने दो। देखा? मुझे नहीं पता कि मैं उस पद के बारे में सोच पाऊंगा या नहीं जो मैं इसके बारे में गाना चाहता हूं, यह अगली बात है।

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवंत करते हुए,
स्वर्ग का राजाओं और राजा हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है। (देखा?)
यीशु के नाम को अपने साथ ले,
हर एक फंदे से एक ढाल के नाई;
जब आपके आस–पास परीक्षाये घेरे हुए हो,
बस प्रार्थना में उस पवित्र नाम का उच्चारण करें।

ऐसा ही है। उस हाथ को ऊपर उठाये और ब्रेक लगाने की आवाज़ को सुने! देखा? देखा?

प्रार्थना में उस पवित्र नाम का उच्चारण करें।
बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (ओह, बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

289 आइए हम इसे फिर से कहें, हम सब एक साथ मिलकर। आप क्या कहते हैं? आइए हम बस उस पद को फिर से लें, इस पर, "यीशु के नाम को अपने साथ ले, हर एक फंदे से एक ढाल के नाई।" आइए हम अब इसे अपनी आंखें बंद करके गाये।

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
हर एक फंदे से एक ढाल के नाई; (अब सुनना। क्या करना है?)

जब आपके आस–पास परीक्षाये घेरे हुए हो, (आपको
क्या करना चाहिए?)
प्रार्थना में उस पवित्र नाम का उच्चारण करें।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) (ओ कितना मधुर!)
धरती की आशा और...

[भाई नेविल भाई ब्रन्हम से बात करते हैं—सम्पा।] (मैं नहीं। नहीं, मेरा—मेरा गला थोडा सा ख़राब है, मेरा गला थोड़ा सा कर्कश हो गया है, इसलिए मैं नहीं कहूँगा... ? ... आप समाप्त करना चाहते हैं... ? ... नहीं, यह ठीक है, आप ठीक आगे बढे, यह ठीक है।)

धरती की आशा और...

भाई नेविल, अब आपके पास्टर।

61–1217 मसीहत बनाम मूर्तिपूजा
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org